



भारत का राजपत्र



संघ प्रवेश अधिकार

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 151]

तर्फ दिल्ली लाभवार अप्रैल 23, 2008/वैशाख 3, 1930

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 23, 2008/VAISAKHA 3, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(शास्त्रिज्य विभाग)

(प्राटनरोधी एवं संखद्द शल्क प्रहानिदेशालय)

अधिकारी

३० अप्रैल २००८

गई १८८०, २१ अक्टूबर, २००६

विषय: चीन जन. गण. तथा यूएई के मूल की या वहाँ से निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के आयात के लाए में प्राटनगोधी जाँच (निर्णायक समीक्षा)।

सं. 15/17/2006-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए :

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. और यह: उक्त अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार आगे और 5 वर्ष की अवधि के लिए शुल्क जारी रखने का अनुरोध करते हुए घरेलू उद्योग द्वारा दायर विधिवत पुष्टिकृत याचिका के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने इस बात की जांच करने के लिए कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति जारी रहेगी या उसकी पुनरावृत्ति होगी, दिनांक 30.4.2007 को उपर्युक्त मामले में निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी। यह जांच 1 जनवरी, 2006 से 31 दिसम्बर, 2006 तक की जांच अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति विश्लेषण वर्ष 2003-04, 2004-05 और 2005-06 एवं क्षति अवधि के लिए किया गया है।

3. मूल जांच में अंतिम जांच परिणाम चीन जन. गण. से निर्यातों के संबंध में 8.28 अम. डा. प्रति वर्ग मीटर, आरएके सिरेमिक्स यूएई द्वारा निर्यातों के संबंध में 0.74 अम. डा. प्रति वर्ग मीटर और यूएई से सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में 5.54 अम. डा. प्रति वर्ग मीटर के शुल्क की सिफारिश के साथ फरवरी, 2003 में जारी किए गए थे। राजस्व विभाग द्वारा 2.5.2002 की डीओआर अधिसूचना सं. 50/2002 के तहत अनंतिम शुल्क लगाया गया था और अंतिम निर्धारण के बाद राजस्व विभाग ने अधिसूचना 01.05.2003 की सी.शु. अधिसूचना सं. 73/2003 के तहत जारी की थी।

ख. प्रक्रिया

4 इन कार्यवाहियों में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना माँगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियाँ भेजी;

ii) नियमों के अनुसार संगत सूचना माँगते हुए भारत में घरेलू उद्योग को भी सूचनाएं भेजी गई थीं;

iii) नियम 6(2) के अनुसार निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश में निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने के अनुरोध के साथ जांच की शुरूआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को भी सूचित किया गया था;

iv) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना माँगते हुए ज्ञात आयातकों तथा भारत में संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियाँ भेजी गई थीं;

v) गत तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्योरे की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था;

vi) फिक्की, सीआईआई और एसोबैम को भी व्यापक परिचालन हेतु जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भेजी गई थीं;

vii) निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए थे;

viii) समीक्षा आवेदन स्ट्रेटेजिक लॉ ग्रुप द्वारा निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों की ओर से दायर किया गया था :

- क. एच एण्ड आर जॉनसन (इंडिया) लि.
- ख. सिटी टाइल्स लि.
- ग. रेस्टाइल सिरैमिक लि.
- घ. एंटिक ग्रेनिटो लि.
- ङ. एशियन ग्रेनिटो इंडिया लि.
- च. डेकोलाइट सिरैमिक लि.
- छ. ऑरेकल ग्रेनिटो लि.
- ज. गोकुल सिरैमिक्स प्रा. लि.
- झ. रिजेट ग्रेनिटो (इंडिया) लि.

ix) मामले से संबंधित विभिन्न मुद्दों से संबंधित निविष्टियाँ माँगते हुए उपर्युक्त घरेलू उत्पादकों को पत्र भेजा गया था। उनसे प्राप्त उत्तरों पर विचार किया गया था और इस जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त सभी उत्पादक घरेलू उद्योग हैं;

x) प्राधिकारी ने उठाई गई क्षति की जांच करने, उत्पादन की इष्टतम लागत, भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार

पर संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

xi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों की मौखिक सुनवाई करने के लिए 23.10.2007 और पुनः 7.12.2007 को सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें घरेलू उद्योग तथा प्रतिवादकों एवं निर्यातकों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे। सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित होने वाली पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस प्रकटन में हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर विचार किया गया है।

xii) प्राधिकारी ने अनुरोध करने पर निरीक्षण हेतु विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत समक्ष साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण वाली सार्वजनिक फाइल सभी हितबद्ध पार्टियों के लिए उपलब्ध रखी;

xiii) जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में और सार्वजनिक सुनवाई के बाद विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है जिस सीमा तक वे नियमानुसार संगत हैं और इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और जहाँ उचित समझा गया है उन पर संगत पैराग्राफों में कार्यवाही की गई है;

xiv) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे पाटनरोधी नियमों के अनुसार गोपनीय ही माना है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. मूल जांच में शामिल उत्पाद विट्रीफाइड/पोर्सिलिन टाइलों थीं। अतः एक निर्णायक समीक्षा होने के कारण इस जांच में मूल जांच में शामिल उत्पाद को शामिल किया गया है।

6. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद “पॉलिश की गई या पॉलिश न की गई तैयार अनग्लैज्ड टाइलें एवं ग्लैज्ड पोर्सिलिन/सिरैमिक टाइलें, दोनों हैं जिनकी जल अवशोषक क्षमता 3% से कम है (जिन्हें आम तौर पर विट्रीफाइड टाइलों/पोर्सिलिन टाइलों के रूप में जाना जाता है) ” (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है)। विट्रीफाइड/पोर्सिलिन टाइलें ग्लैज्ड एवं अनग्लैज्ड टाइलें होती हैं और इनका उपयोग प्राथमिक रूप से फर्शाच्छादन हेतु तथा दीवारों पर किया जाता है। इन टाइलों का उपयोग भवनों, घरों, रेस्टोरेंटों, सिनेमा घरों, हवाई अड्डों, तरणतालों, रेलवे स्टेशनों आदि में किया जाता है।

7. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि सभी प्रकार की अनग्लैज्ड टाइलें अध्याय शीर्ष 69.07 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि, अनग्लैज्ड टाइलों का आयात भी पोर्सिलिन की अन्य वस्तुओं के रूप में अध्याय शीर्ष 69.14 के अंतर्गत किया जा रहा है। इसके अलावा, ग्लैज्ड पोर्सिलिन टाइलों का आयात जीपी टाइलों, पोर्सिलिन टाइलों, ग्रेस पोर्सिलिनेटों टाइलों, पोर्सिलिन विट्रीफाइड टाइलों आदि जैसे विभिन्न विवरणों के साथ अध्याय शीर्ष 69.14 के अंतर्गत किया जा रहा है। आगे यह उल्लेख किया गया है कि अध्याय शीर्ष 69.14 के अंतर्गत आयात की जा रही ग्लैज्ड पोर्सिलिन टाइलें गुणधर्मों, उपयोग, कार्य, वितरण, माध्यम आदि के संबंध में अध्याय शीर्ष 69.07 की अनग्लैज्ड टाइलों से

प्रतिस्थापनीय है। टाइलों को कई आयातकों द्वारा गलत ढंग से अध्याय शीर्ष 69.14 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा रहा है। इन उत्पादकों को सही ढंग से ग्लैज़ड टाइलों के रूप में अध्याय शीर्ष 69.08 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। अतः याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि जांच विचाराधीन उत्पाद के खिलाफ की जाए भले ही उसका वर्गीकरण जिसके अंतर्गत उसका आयात किया जा रहा है, कुछ भी हो। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं हैं।

8. घरेलू उद्योग द्वारा भी एक समान विशेषताओं और विनिर्देशनों वाली विट्रीफाइड/पोर्सिलिन टाइलों का उत्पादन किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद या समान वस्तु के मुद्दे पर किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है और इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश द्वारा विनिर्मित और वहाँ से निर्यातित उत्पाद समान वस्तु हैं।

घ. घरेलू उद्योग

9. मूल जांच में पाटनरोधी जांच हेतु आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. एच एण्ड आर जॉनसन (इंडिया) लि., मै. मुरदेश्वर सिरैमिक्स लि. तथा मै. एसपीएल लि. द्वारा दायर किया गया था। वर्तमान निर्णयक समीक्षा में सूचना/आंकड़े 9 विनिर्माताओं अर्थात् एच एण्ड आर जॉनसन (इंडिया) लि., सिटी टाइल्स लि., रेस्टाइल सिरैमिक लि., एंटिक ग्रेनिटो लि., एशियन ग्रेनिटो इंडिया लि., डेकोलाइट सिरैमिक लि., ऑरेकल ग्रेनिटो लि., गोकुल सिरैमिक्स प्रा. लि. तथा रिजेंट ग्रेनिटो (इंडिया) लि. द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इन विनिर्माताओं का हिस्सा मिलकर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का सबसे अधिक बनता है और इसलिए ये वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग हैं।

ड. समीक्षा की शुरूआत और दिए गए तर्क

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

10. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि विट्रीफाइड/पोर्सिलिन टाइलों पर पाटनरोधी शुल्क के बावजूद उन स्रोतों जिन पर पाटनरोधी शुल्क आरंभ में लगाया गया था, मैं से किसी भी स्रोत से पाटन बंद नहीं हुआ है। यह दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद क्षति जारी है और यह दावा किया है कि यह शुल्क को बढ़ाने का एक स्पष्ट मामला बनता है। यह दलील दी गई है कि यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो पाटन का प्रभाव और अधिक गंभीर रूप ले लेगा क्योंकि घरेलू उद्योग निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत कीमतों की बराबरी करने के लिए बाध्य होगा जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को प्रत्यक्ष हानि और क्षति होगी। यह आरोप लगाया गया है कि संबद्ध देशों के निर्यातक जांच अवधि से पूर्व के वर्षों के दौरान भी पाटन में संलिप्त रहे हैं तथा आगे यह दावा किया गया है कि निर्यातकों के कीमत व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

11. अपने अनुरोधों में घरेलू उद्योग ने क्षति के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के अंतर्गत सहायता मांगी है और यह दलील दी गई है कि इसमें घरेलू कीमतों तथा संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों, दोनों पर पाटित आयातों की मात्रा और उसके प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। घरेलू उद्योग प्राधिकारी से यह नोट कराना चाहता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद इस दृष्टि से

स्थिति में सुधार हुआ है और इससे इस तथ्य की पुष्टि होती है कि पाटनरोधी शुल्क प्रभावकारी रहा है और घरेलू उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यद्यपि सतत क्षतिकारी पाटन को देखते हुए यह प्रभाव अपेक्षित सीमा तक नहीं रहा है। जहाँ तक मात्रा का संबंध है, आयातों के संबंध में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में बृद्धि का दावा किया गया है जो आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 में 51% से बढ़कर जांच अवधि में 89% हो गया है। यह भी दावा किया गया है कि संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उस कीमत से काफी कम है जिसे संबद्ध वस्तु की बिक्री पर प्राप्त होना चाहिए था और यह घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से भी काफी कम है। आगे यह दलील दी गई है कि अनेक याचिकार्ता उद्योग में नए प्रतिस्पर्धी हैं और इस प्रकार पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं अतः घरेलू उद्योग की समग्र रूप से उचित तुलना व्यवहार्य नहीं है और इससे त्रुटिपूर्ण निर्णय निकलेगा। प्रति कर्मचारी उत्पादकता तथा रोजगार एवं मजदूरी, दोनों में गिरावट आने का दावा किया गया है। इसके अलावा, लाभप्रदता तथा निवेश पर आय एवं नकद प्रवाह में सुधार बताया गया है और घरेलू उद्योग को हुए घाटे की भरपाई करने का उल्लेख किया गया है। लाभप्रदता के संबंध में यह दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद वांछित बिक्री कीमत प्राप्त करने में असमर्थ रहा है।

च.2 अन्य हितबद्ध पार्टीयों के विचार

12. घरेलू उत्पादकों/उपभोक्ताओं में से किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने जांच शुरूआत के बारे में अपना उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। निर्यातकों में से मैं अलखलीज सिरेमिक्स पीएससी, दुबई, आरएके सिरेमिक, यूएई, ग्वांगडांग न्यूपॉर्ल सिरेमिक ग्रुप कं. लि. (और इसकी संबद्ध कंपनियाँ), फोशान चेनचेंग जिन्नी सिरेमिक्स कं. लि., जॉयसन सिरेमिक मेटेरियल कं. लि. और एबल एसी मलेशिया, ग्वांगडॉग डॉगपेंग सिरेमिक कं. लि. तथा विंटो सिरेमिक कं. लि., फोशान चेनचेंग आउलिंग कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि., चीन (उत्पादक) तथा प्रेस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई (निर्यातक), हेयुआन वेनफेंग सिरेमिक्स कं. लि., चीन (उत्पादक), फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि., चीन (चीन में निर्यातक) तथा इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफजेडई, यूएई (यूएई में निर्यातक) तथा विंग युआन साउर्दन बिल्डिंग मेटेरियल्स एंड सेनेटरी वेयर्स कं. लि. (चीन में उत्पादक) तथा न्यू झोजियुआन इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ ग्वांगडांग (चीन में निर्यातक) ने जांच शुरूआत का उत्तर प्रस्तुत किया है। निर्यातक तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के रूप में अपेक्षित उत्तर के अलावा इस चरण पर अन्य कोई विशिष्ट मुद्दा नहीं उठाया गया था।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. जांच शुरूआत के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी यह मानते हैं कि जहाँ तक निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरूआत का संबंध है, उसमें कोई अस्पष्टता नहीं है और घरेलू उद्योग से विधिवत पुष्टिकृत याचिका प्राप्त होने के बाद इसकी शुरूआत निर्धारित नियमों और प्राधिकार के भीतर सही ढंग से की गई है।

14. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हो रही सतत क्षति तथा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत तर्कों को नोट करते हैं। घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा घरेलू उद्योग के लिए पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति के खतरे का विश्लेषण करते समय इन तर्कों को ध्यान में रखा गया है।

च. सार्वजनिक सुनवाई के बाद किए गए अनुरोध

च.१. आवेदक घरेलू उद्योग के विचार

15. सार्वजनिक सुनवाई संपन्न होने के बाद घरेलू उद्योग ने आगे निम्नलिखित अनुरोध किए हैं जो कुल मिलाकर समस्त प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों पर कमोबेश लागू होते हैं :

- i. भारतीय कानून में किए गए उपबंध के अनुसार विनिर्माता प्रश्नावली के उत्तर का सार्थक सारांश दायर नहीं किया गया है और प्रश्नावली के उत्तर जांच शुरूआत की तारीख से निर्धारित 40 दिन की अवधि समाप्त होने के बाद दायर किए गए हैं।
- ii. प्रत्याशित निर्णायक समीक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्यातकों के कीमत व्यवहार के साथ छेड़छाड़ किए जाने की संभावना है।
- iii. इस निर्णायक समीक्षा में 50% से अधिक के सामूहिक उत्पादन की अवधारणा से संबंधित पाटनरोधी नियमावली का नियम 5 लागू नहीं होता है।
- iv. किसी निर्णायक समीक्षा में विभिन्न क्षतिसंबंधी करकों में सुधार प्रत्यक्षतः संगत नहीं होता है।
- v. शुल्क व्यपगत हो जाने की स्थिति में निर्यातकों/उत्पादकों के संभावित व्यवहार की प्राधिकारी द्वारा जांच की जानी चाहिए।
- vi. यह पाया गया है कि संबद्ध देशों ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का पाटन किया है और जांच अवधि तथा जांच अवधि से पूर्व भी पाटन मार्जिन काफी अधिक रहे हैं।
- vii. संबद्ध निर्यातकों द्वारा पाकिस्तान जैसे अन्य देशों को संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है और वहाँ के प्राधिकारियों ने संबद्ध देशों से पर्याप्त पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।
- viii. अन्य अधिकार क्षेत्रों में लागू पाटनरोधी शुल्क से भारत से संबद्ध वस्तु के बड़े पैमाने पर विपर्यय होने की संभावना है।
- ix. क्षमता, मांग, बिक्री अनुमान तथा अन्य बाजारों में संभावित कीमतों के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं करायी गयी है।
- x. फिलिपींस सरकार ने उन्हीं निर्यातकों पर रक्षोपाय शुल्क तथा कोरिया गणराज्य ने भी पाटनरोधी शुल्क लगाया है।
- xi. निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा भारत में प्राधिकारी तथा विभिन्न अन्य अधिकार क्षेत्रों के समक्ष अलग-अलग कार्यवाहियों में अलग-अलग सूचना प्रदान की जा रही है।
- xii. निर्यातकों/उत्पादकों ने अपने उत्तर में संबद्ध पार्टियों के बारे में तथ्यों को छिपाया है।

xiii. संबद्ध देशों में उपलब्ध भारी बेशी क्षमता का भारत में उपयोग किए जाने की संभावना है।

xiv. चीन गैर बाजास-अर्थव्यवस्था वाला एक देश है और उसे मूल जांच में ऐसा ही माना गया है। प्राधिकारी द्वारा रिलायंस इंडस्ट्रीज मामले में प्राधिकारी द्वारा किए गए अर्थ निरूपण के मद्देनजर कोई अलग-अलग सामान्य मूल्य प्रदान नहीं किया जा सकता।

xv. चीन एवं यूएई से संचयी आयातों का मुद्दा उचित नहीं है क्योंकि यूएई से हुए आयात 3% से कम हैं और यह तर्क दिया गया है कि समीक्षा के मामले में नियम 11 को पाटनरोधी नियमावली के नियम 23(3) के अनुसार “आवश्यक परिवर्तनों सहित ही” लागू किया गया है। यह दलील दी गई है कि संभावना संबंधी जांच करते समय समीक्षा अवधि के दौरान न तो पाटन की मौजूदगी और न ही क्षति का विद्यमान होना अनिवार्य है क्योंकि न्यूनतम होने से संबंधित उपबंध समीक्षा मामलों में लागू नहीं होते हैं। आगे यह उल्लेख किया गया है कि यदि मूल जांच के दौरान क्षति का निर्धारण संचयी आधार पर किया गया था तो यह समीक्षा जांच में भी यह एक पर्याप्त आधार बनता है। यह तर्क दिया गया है कि समीक्षा अवधि के दौरान किसी भी हालत में वास्तविक पाटन और क्षति का किसी निर्णायक समीक्षा में अत्यल्प परिणाम निकलता है क्योंकि यह जांच केवल भावी अवधि के लिए की जाती है। कीमत प्रभाव के संबंध में यह तर्क दिया गया है कि नियमावली के अनुबंध II के पैराग्राफ (iv) में स्पष्टतः यह निर्धारित किया गया है कि प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग की कीमत को प्रभावित करने वाले एक कारक के रूप में पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन करना अपेक्षित होता है।

xvi. घरेलू उद्योग ने यह दलील दी है कि सीमांशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क(5) के अंतर्गत वर्तमान निर्णायक समीक्षा का समर्थन उन घरेलू उत्पादकों द्वारा किया गया है जिनका हिस्सा घरेलू उत्पादन के 70% से अधिक बनता है। तथापि, उन्होंने यह दावा किया है कि पाटनरोधी नियमावली का नियम 5 निर्णायक समीक्षा पर लागू नहीं होता है और इस प्रकार 50% से अधिक के सामूहिक उत्पादन की अवधारणा लागू नहीं होती है।

xvii. उन्होंने यह दलील दी है कि मूल जांच में और निर्णायक समीक्षा जांच में क्षति की अवधारणा अलग और विशिष्ट है। जहाँ मूल जांच में क्षति की पुष्टि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से पूर्व की जानी अपेक्षित होती है वहीं निर्णायक समीक्षा जांच में चूंकि पाटनरोधी शुल्क पहले से ही लागू होता है इसलिए क्षति के जारी रहने या उसकी पुनावृत्ति होने की “संभावना” का निर्धारण करना होता है और क्षति विश्लेषण शुल्क समाप्ति की अनुमति दिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग की भावी संभावित स्थिति पर केंद्रित होता है।

xviii. जहाँ तक पाटन का संबंध है, उन्होंने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध देशों की ओर से जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का पाटन किया गया पाया गया है और पाटन मार्जिन काफी अधिक पाया गया है। उनकी दलील यह है कि समस्त संबद्ध देशों से पर्याप्त पाटन मार्जिन के अलावा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पाटन बंद नहीं हुआ है। उनके अनुसार संबद्ध देशों के निर्यातक जांच अवधि से पूर्व के वर्षों के दौरान भी पाटन में संलिप्त रहे हैं। घरेलू उद्योग के अनुसार इन तथ्यों से इस शंका की पुष्टि होती है कि निर्यातकों के कीमत व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और एक बार शुल्क समाप्त किए जाने पर वे पाटित कीमतों पर निर्यात जारी रखेंगे और पाटन का प्रभाव अत्यधिक गंभीर होगा और घरेलू उद्योग को निश्चित तौर पर क्षति होगी।

xix. घरेलू उद्योग के अनुसार यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि संबद्ध देशों द्वारा संबद्ध वस्तु का न केवल भारत में अपितु पाकिस्तान आदि जैसे अन्य देशों में भी पाटन किया जा रहा है और उक्त देशों के प्राधिकारियों ने शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का सुझाव देते हुए संबद्ध देशों से पर्याप्त पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। उनके अनुसार चूँकि संबद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों पर अन्य अधिकार क्षेत्रों में इस समय पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है और यह कि उनका निर्यात बाजार ऐसे अन्य देशों में सीमित हो गया है इसलिए इस चरण पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित कीमतों पर भारत को संबद्ध वस्तु का बड़े पैमाने पर विपथन किए जाने की प्रबल संभावना है।

xx. इस बात की जानकारी दी गई है कि जहाँ फिलिपींस ने वीट्रिफाइड टाइलों पर रक्षोपाय शुल्क लगाया है वहीं कोरिया ने विट्रिफाइड टाइलों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है जहाँ कमोबेश वहीं निर्यातक शामिल हैं। संबद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों के आचरण पर प्रश्न चिह्न लगाया गया है। यह आरोप लगाया गया है कि ये उत्पादक/निर्यातक वास्तविक सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं और इसके विपरीत इन्होंने न केवल भारत में प्राधिकारी अपितु विभिन्न अन्य अधिकार क्षेत्रों में विरोधाभासी एवं अलग-अलग सूचना प्रस्तुत की है। यह आरोप लगाया गया है कि यह उनके ऐच्छिक नुकसानदायक एवं क्षतिकारी व्यवहार की पद्धति का प्रबल संकेत है और इससे मुक्त होने की संभावना नहीं है।

xxi. यह आरोप लगाया गया है कि निर्यातकों/उत्पादकों का आचरण संदिग्ध है और यह संबद्ध वस्तु का पाटन करने और घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने की मंशा से सुविचारित कीमत पद्धति पर आधारित है।

xxii. अपनी तर्कों का निष्कर्ष निकालते हुए यह उल्लेख किया गया है कि भारत में दायर किए गए उत्तर अधिकार क्षेत्रों के समक्ष अनुरोध किए गए तर्कों से वस्तुतः अलग हैं इसलिए निर्यातकों/उत्पादकों के लिए इस प्राधिकारी के समक्ष अपने उत्तर और पाकिस्तान में की गई टाइलों की जांच में दायर ऐसे उत्तर के अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

16. दायर किए गए उत्तर के संबंध में विशिष्ट निर्यातकों/उत्पादकों से संबंधित निम्नलिखित मुद्दों को रेखांकित किया गया है।

फोशान चेनचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि.

i. कंपनी द्वारा अब भी पुराने नाम “ननहाई शेजियुआन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक कंपनी” के नाम से प्रचालन किया जा रहा है यद्यपि उन्होंने अपना नाम बदलकर “मै. फोशान चेनचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि.” रखने का दावा किया है। इस कंपनी की या तो उसी पते/भवन से प्रचालन करने वाली या फिर कुछ मामलों में उन्हीं टेलीफोन सं./साझा कर्मचारियों वाली कई संबंधित कंपनियाँ हैं और इस प्रभाव की सूचना छिपाई गई है। इस प्रयोजनार्थ नामजद संबंधित कंपनियों में से कुछेक कंपनियाँ हैं- शेजियुआन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक चीफ फैक्ट्री, शेजियुआन कंस्ट्रक्शन मेटेरियल्स फैक्ट्री, लायस वेलेटिनो प्रोसेलेटो कं. लि., शेजियुआन आउलवन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक कं. लि., बेली सिरेमिक कं. लि. बेटर ग्राफ (होल्डिंग्स) प्रा. लि., ईफेल बिल्डिंग कार्पोरेशंस कं. लि., शेनरेमो सिरेमिक्स कं., विगरबुम सिरेमिक्स, ग्वांगडांग शोनपेंग सिरेमिक कं. लि., फोशान बेली सरेमिक कं. लि., किंगकोंग बिल्डिंग मेटेरियल कं., चाइंना सिरेमिक सिटी इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.।

हेउआन वेनफेग सिरेमिक कं. लि.

i. यद्यपि न्यू शिपर आवेदन में उन्होंने किसी भी कंपनी से संबंधित न होने का दावा किया है तथापि, वर्तमान एसएसआर में उनकी सूचना में अंतर है क्योंकि उन्होंने 20 कंपनियों के साथ संबंध होने का दावा किया है/इस बात को स्वीकार किया है।

ii. यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इन 20 संबंधित कंपनियों में क्विंगयुवान बिल्डिंग मेट्रियल्स एंड सेनेटरी वेयर्स कं. लि. तथा न्यू झांजियुवान सिरेमिक्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. भी शामिल हैं।

फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि.

i. न्यू शिपर समीक्षा संबंधी कार्यवाहियों में निर्यातक ने स्वयं को चीनी कानून के अंतर्गत एक निजी उद्यम होने का दावा किया था जबकि वर्तमान कार्यवाही में उसने एक सीमित दायित्व वाली कंपनी होने का दावा किया है। इसके विपरीत उन्होंने अपने अस्तित्व में आने के बाद कंपनी की संरचना में कोई परिवर्तन न किए जाने का दावा भी किया है।

जॉयसन सिरेमिक्स मेट्रियल्स कं. लि.

i. उन्होंने मै. फोशान सिटी सोर्स केमिकल्स लि. तथा सोर्स लेटर सिरेमिक्स लि. के साथ अपनी संबद्धता के बारे में सूचना छिपायी है। निर्यातक ने न्यू शिपर समीक्षा का आवेदन प्रस्तुत करते समय अपने व्यापार की प्रकृति के बारे में ज़ूठे अनुसार निर्यातक एक विनिर्माता है।

मै. क्विंगयुवान साउदर्न बिल्डिंग मेट्रियल्स एंड सेनेटरी वेयर कं. लि.

i. न्यू शिपर समीक्षा की माँग करते हुए 28.2.2003 के अपने मूल आवेदन में निर्यातक ने यह दावा किया था कि यह किसी कंपनी से संबंधित नहीं है। यद्यपि वर्तमान निर्णायक समीक्षा प्रश्नावली के उत्तर में उसने यह स्वीकार किया है कि वे लगभग 20 कंपनियों से संबंधित हैं। संबंधित कंपनियों द्वारा एसबीएमएस 100% स्वामित्व वाली कंपनी है। ए कंपनी जो बी के 100% स्वामित्व में है और अन्य बातों के साथ-साथ 100% स्वामित्व कंपनी री के पास है जिसके प्रत्युत्तर में 100% स्वामित्व मकाओं पासपोर्ट होल्डर के पास है अतः इस भ्रामक सूचना की उपलब्धता को स्पष्ट किए जाने की जरूरत है।

ii. स्वामित्व संबंधी विवरण उन विवरणों से पूर्णतः बदल दिए गए हैं जिन्हें न्यू शिपर समीक्षा कार्यवाही के दौरान उपलब्ध कराया गया था। न्यू शिपर कार्यवाही में यह उल्लेख किया गया था कि कंपनी के पास *** शेयर धारक हैं जबकि निर्णायक समीक्षा के उत्तर में उन्होंने यह उल्लेख किया है कि एसबीएमएस 100% स्वामित्व वाली कंपनी है। ए कंपनी जो बी के 100% स्वामित्व में है और अन्य बातों के साथ-साथ 100% स्वामित्व कंपनी री के पास है जिसके प्रत्युत्तर में 100% स्वामित्व मकाओं पासपोर्ट होल्डर के पास है अतः इस भ्रामक सूचना की उपलब्धता को स्पष्ट किए जाने की जरूरत है।

मै. न्यू झॉर्जियान सिरेमिक्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.

- i. यह स्वीकार किया गया है कि इस निर्यातक कंपनी की रथापना वर्ष 1995 में की गई थी किन्तु न्यू शिपर समीक्षा के तहत आवेदन दायर करते समय प्राधिकारी से इस तथ्य को छिपाया गया था ।
- ii. यह प्रतीत होता है कि यह एनजेडवाई ग्रुप का एक भाग है जिसकी जाहिरा तौर पर 20 कंपनियाँ हैं और ऐसी 20 कंपनियों के नामों को गोपनीय होने का दावा किया गया है ।
- iii. यह स्पष्ट नहीं है कि क्या हेयुवान वेनफेंग भी इस 20 समूह का एक भाग है क्योंकि यह एनजेडवाई से संबंधित है ।

17. अपने प्रत्युत्तर के संबंध में किए गए अनुरोध में घरेतू उद्योग ने आगे यह दलील दी है कि किसी निर्णायक समीक्षा में यह निष्कर्ष निकाले जाने पर भी कि कोई क्षति नहीं हुई है, प्राधिकारी के ऊपर तब भी यह दबाव होता है कि वह शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की संभावना की जांच करें। वर्तमान क्षति की प्रासंगिकता को उस सीमा तक ही संगत होने का दावा किया गया है जिस सीमा तक वह क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का निष्कर्ष निकालने का आधार बनती है ।

18. यूएई के निर्यातकों, जिन्होंने उच्चतम कीमतों पर भारत को निर्यात करने का दावा किया है, के संबंध में यह उल्लेख करते हुए खण्डन किया गया है कि हितबद्ध पार्टियों ने पाटन की सांविधिक अवधारणा को नहीं समझा है क्योंकि अन्यथा ऐसे अनुरोध नहीं किए गए होते । जिन्हीं कंबिनेशन की ओर से किए गए आयात के संबंध में जहाँ तक आईबीआईएस के आंकड़ों का प्रश्न है, यह दलील दी गई है कि उक्त आईबीआईएस आंकड़ों को घरेलू उद्योग को उपलब्ध नहीं कराया गया है । जहाँ तक चीन के निर्यातकों के उत्तर का संबंध है, यह दलील दी गई है कि उनके द्वारा पूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है और इसलिए उनके द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की स्थिति के बारे में किया गया दावा स्वीकार्य नहीं है । विभिन्न न्यू शिपर समीक्षाओं में चीन के कुछेक उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा न प्रदान किए जाने के मुद्दे के बारे में यह दलील दी गई है कि समय के साथ-साथ कंपनी में संयुक्त उद्यमों, वित्त, अधिग्रहण आदि जैसे संकार्यों के कारण परिवर्तन हो सकते हैं जिससे कंपनी की विधिक संरचना में पर्याप्त बदलाव आ सकता है और इसलिए इस पर नए सिरे से गौर किए जाने की जरूरत है ।

च.2 प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों के विचार

मै. अलखलिज सिरेमिक्स पीएससी, दुबई

19. उन्होंने यह अनुरोध किया कि इस याचिका की पुष्टि सकारात्मक साक्ष्य द्वारा नहीं की गई है और याचिका में लगाए गए आरोप आयात संबंधी आंकड़ों के विरोधाभासी हैं तथा कुल उत्पादन में संबद्ध देशों के आयात के बारे में किया गया दावा गलत है । इस सीमा तक याचिका के बारे में वार्तविकता जांच में विफल होने का दावा किया गया है । यद्यपि याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि कीमतों में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है जबकि सच यह है कि यूएई से कीमतों में वृद्धि हो रही है और वे वर्ष 2003-04 में 489 रुपया प्रति वर्ग मीटर से बढ़कर जांच अवधि में 655 रुपए प्रति मीटर हो गई हैं । वरतुतः यूएई की कीमतों के बारे में यह दावा किया गया है कि वे शेष विश्व की कीमत की दोगुनी और चीन की

कीमतों की तीन गुनी है। इसके अलावा, याचिका में ही किए गए उल्लेख के अनुसार यूएई से आयात की मात्रा वर्ष 2003-04 में 5% से घटकर जांच अवधि में 0.5% से भी कम हो गई है। इसके अलावा, यह दावा किया गया है कि पाटन का आरोप मुख्यतः चीन के खिलाफ लगाया गया है और यूएई के खिलाफ कोई आरोप नहीं है और व्यक्तिगत रूप से यूएई द्वारा कीमत कटौती या कम कीमत पर बिक्री की गयी है। यह दलील दी गई है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए संभावनागत विश्लेषण में आरोप नहीं की जाती है। यह दलील दी गई है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए संभावनागत विश्लेषण में आरोप अनन्य रूप से चीन के खिलाफ लगाया गया है और यहाँ तक कि यूएई के लिए कोई उल्लेख भी नहीं की गया है और यहाँ तक कि यूएई से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य भी किया गया है और यहाँ तक कि यूएई से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना का प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य भी किया गया है। अपने अनुरोध में उन्होंने यह उल्लेख किया है कि यूएई में केवल दो उत्पादक प्रस्तुत नहीं किया गया है। आरएके ने 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता के साथ एक भारतीय निर्यातक हैं जिनमें से आरएके ने 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता के तहत क्षमता को बढ़ाकर सहायक कंपनी पहले ही स्थापित की है और उनकी विस्तार योजना के तहत क्षमता को बढ़ाकर इकाई अलखलिज सिरेमिक्स एक लघु प्रतिस्पर्धी है जो 100% से कम क्षमता पर प्रचालन कर रही है और जिसकी कीमतें उच्चतम हैं। यह भी दलील दी गई है कि यूएई पर कहीं भी पाटनरोधी शुल्क नहीं जिसकी कीमतें उच्चतम हैं। यह भी दलील दी गई है कि यूएई पर कहीं भी पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा रहा है जो भारत को अपनी विनिर्मित संबद्ध वस्तु का विपथन करने के लिए यूएई के निर्यातकों हेतु एक कारण बन सके। अतः उन्होंने यह अनुरोध किया है कि निर्णायक समीक्षा के दायरे से यूएई को अलग रखा जाए।

आरएके सिरेमिक, यूएई

20. उनके अनुरोधों के अनुसार घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष निर्यातक प्रश्नावली के संबंध में आरएके द्वारा प्रस्तुत सूचना और दस्तावेजों के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है; इस प्रकार यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने आरएके के खिलाफ और उसके अनुरोधों के बारे में कोई विशिष्ट आरोप नहीं लगाया है और इसलिए वे अपने अनुरोध संबद्ध देशों के लिए घरेलू उद्योग के सामान्य अनुरोधों पर ही लिखित अनुरोधों के प्रत्युत्तर के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

21. यहाँ तक यूएई के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति/निरसन के बाद घरेलू उद्योग के लिए पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति या उसके जारी रहने की संबंध है, उन्होंने यह अनुरोध किया है कि :

i. यूएई से संबद्ध वस्तु के आयात से संबंधित आयात आंकड़ों के आधार पर यह स्पष्ट और साफ हो जाता है कि यूएई से निर्यात की मात्रा में गिरावट आ रही है और निर्यात कीमत में प्रतिवर्ष पर्याप्त वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, यह उल्लेख किया गया है कि मूल पाटनरोधी जांच पूर्ण होने के बाद आरएके ने 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षपता से हैदराबाद रिथित अपने संयंत्र में संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए भारत में अपनी खुद की सहायक कंपनी स्थापित की है जिसकी क्षमता बढ़ाकर उत्पादन करने के लिए भारत में अपनी खुद की सहायक कंपनी स्थापित की है जिसकी क्षमता बढ़ाकर 30,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता से गुजरात में एक अतिरिक्त उत्पादन इकाई की स्थापना 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता से गुजरात में एक अतिरिक्त उत्पादन इकाई की स्थापना की जा रही है।

ii. यूएई से निर्यात मात्रा, उसकी निर्यात कीमत, भारत में आरएके द्वारा स्थापित की जा रही क्षमताओं, भारत में भावी विस्तार योजनाओं और भारत में संबद्ध वस्तु के आयात में आरएके के हिस्से के रुझान से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए यूएई से पाटन की पुनरावृत्ति होने या

उसके जारी रहने और यूएई से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की कोई संभावना नहीं है।

iii. भारत में पाटन किए जाने के लिए यूएई में कोई बेशी क्षमता नहीं है अपितु आरएके द्वारा भारत में अतिरिक्त क्षमताओं का सृजन किया जा रहा है।

iv. यूएई में संबद्ध वस्तु के उत्पादक/निर्यातक भारत को छोड़कर विश्व में कहीं भी पाटनरोधी जांच का समाप्त कर रहे हैं।

22. अंततः उन्होंने यह अनुरोध किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यूएई के खिलाफ निर्णायक समीक्षा समाप्त कर दी जाए।

ग्वांगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कं. लि. (और इसकी संबद्ध कंपनियां), फोशान चेनचेंग जिन्नी सिरेमिक्स कं. लि., जाँयसन सिरेमिक मेटेरियल कं. लि. और एबल एसी मलेशिया,

23. उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने लिखित अनुरोधों में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत इस दावे पर प्रश्न चिह्न लगाया है कि समीक्षा का समर्थन 70% से अधिक घरेलू उत्पादन करने वालों द्वारा किया गया है और इस संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। यह दलील दी गई है कि याचिकार्ता ने पुनरावृत्ति एवं जारी रहने की बात अदल-बदलकर उपयोग की है। उन्होंने घरेलू उद्योग के दावे का खण्डन किया है कि नियमों के तहत केवल अभिमत अपेक्षित होता है न कि स्पष्ट सकारात्मक जांच परिणाम। घरेलू उद्योग के अनुमान का आधार यह है कि संगत अवधि में काल्पनिक कीमतों पर काफी अधिक 50 लाख वर्ग मीटर की मात्रा की बिक्री की गई होगी जिसे ध्यान में रखते हुए निर्णायक समीक्षा पर प्रश्न चिह्न लगाया गया है। घरेलू उद्योग के इस दावे पर प्रश्न चिह्न लगाया गया है कि किसी निर्णायक समीक्षा में विश्लेषण कमतर मात्रा या अलग-अलग भापदंडों के संबंध में किया जाता है। पाटन के दावे को इस आधार पर नकार दिया गया है कि प्राधिकारी द्वारा चीन की कई कंपनियों को और प्राथमिक रूप से चीन की उन कंपनियों, जो भारत को निर्यात कर रही हैं, को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया गया है।

ग्वांगडांग डॉगपेंग सिरेमिक कं. लि. तथा विंटो सिरेमिक कं. लि.

24. उन्होंने सर्वप्रथम याचिकार्ताओं के इस दावे का खण्डन किया है कि वे घरेलू उद्योग हैं या उनका हिस्सा कुल सामूहिक उत्पादन के 50% से अधिक बनता है और इस प्रकार एसएसआर याचिकाएँ दायर करने के प्रयोजनार्थ आधार रखने के बारे में याचिकार्ताओं के दावे को चुनौती दी है। यह दावा किया गया है कि कोई एसएसआर जांच करते समय प्राधिकारी को सर्वप्रथम यह निर्धारित करना होता है कि क्या सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, क्षति रहित कीमत के नियतन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति आदि जैसे विभिन्न मापदण्डों में कोई परिवर्तन हुआ है और उसे तत्पश्चात् पाटनरोधी उपाय निरस्त या समाप्त करने के प्रभाव का मूल्यांकन और प्रदर्शन करना होता है।

फोशान चेनचौंग आउलिंग कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि., चीन (उत्पादक) तथा प्रेस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई (निर्यातक), हेयुआन वेनफेंग सिरेमिक्स कं. लि., चीन (उत्पादक), फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि., चीन (चीन में निर्यातक) तथा इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफजेडई, यूएई (यूएई में निर्यातक) तथा विंग युआन साउदर्न बिल्डिंग मेटेरियल्स एंड सेनेटरी वेयर्स कं. लि. (चीन में उत्पादक) तथा न्यू झॉजियुआन इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ चांगडांग (चीन में निर्यातक)

25. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग का यह दावा कि किसी निर्णायक समीक्षा हेतु जांच अवधि के दौरान निर्यातकों के कीमत व्यवहार के साथ छेड़छाड़ किए जाने की संभावना है और वह संदिग्ध एवं अविश्वसनीय है, अवांछित परिकल्पना है क्योंकि कानून में निर्यातक की कीमतों के ऐसे किसी आनुमानिक अस्वीकरण का प्रावधान नहीं है। आगे यह दलील दी गई है कि विभिन्न क्षति मापदण्डों में सुधार इस अस्वीकरण का प्रावधान नहीं है। आगे यह दलील दी गई है कि पाकिस्तान का विचाराधीन उत्पाद भारत द्वारा में जांच के मुद्दे के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि पाकिस्तान का विचाराधीन उत्पाद भारत द्वारा शामिल किए गए उत्पाद से अत्यंत अलग है। पाकिस्तान ने “सिरेमिक टाइलों” को शामिल किया है जबकि भारत ने केवल “विट्रीफाइड/पोर्सिलिन टाइलों” को ही शामिल किया है। इस प्रत्युत्तर को दायर करने वाले किसी निर्यातक ने अलग-अलग पाटन मार्जिन प्राप्त करने के लिए पाकिस्तानी प्राधिकारियों के लिए प्रारंभिक नहीं किया है और पाकिस्तान का निर्णय भारतीय जांच के लिए प्रारंभिक नहीं है। साथ पूर्ण सहयोग नहीं किया है और पाकिस्तान का निर्णय भारतीय जांच के लिए प्रारंभिक नहीं है। विट्रीफाइड टाइलों पर रक्षोपाय शुल्क लागू करने वाले फिलिपींस के बारे में खंडन किया गया है। फिलिपींस द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार यह दावा किया गया है कि संबंधित उत्पाद “सिरेमिक फर्श एवं फिलिपींस द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार यह दावा किया गया है कि विट्रीफाइड टाइलों” हैं न कि विट्रीफाइड टाइलों। इसके अलावा, इस दावे का भी खंडन किया गया है कि कोरिया ने विट्रीफाइड टाइलों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया है जिसमें कमोबेश वही निर्यातक शामिल हैं। उन्होंने यह दलील दी है कि जांच की अवधि अलग-अलग थी और उत्पाद क्षेत्र भी एक समान नहीं रहा है।

26. जहाँ तक घरेलू उद्योग के इस दावे का संबंध है कि फोशान चेनचौंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक कं. लि. के अनुरोध असद्भावी और भ्रामक हैं, निम्नलिखित दलीलें दी गई हैं :-

- i. प्राधिकारी ने आउलिन से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की वसूली से छूट देने की सिफारिश करते हुए अंतिम जांच परिणाम न्यू शिपर समीक्षा की समाप्ति पर 30 जून, 2004 को जारी किए थे।
- ii. वित्त मंत्रालय ने आवश्यक अधिसूचना 28 जुलाई, 2004 को जारी की थी।
- iii. घरेलू उद्योग ने इन जांच परिणामों और वित्त मंत्रालय की अधिसूचना को सेरेट (अपील सं. री/79/2005-एडी) में चुनौती दी थी।
- iv. सेरेट ने अंतिम जांच परिणाम तथा वित्त मंत्रालय की अधिसूचना रद्द कर दी थी और यह मामला दिनांक 19 मई, 2005 को प्राधिकारी के पास वापस भेज दिया था।
- v. रिमांड के बाद प्राधिकारी ने 30 दिसम्बर, 2005 को अपने पूर्ववर्ती जांच परिणामों की पुष्टि की।

vi. वित्त मंत्रालय के अधिसूचना सेरटेट द्वारा निरस्त किए जाने के तुरंत बाद वित्त मंत्रालय ने पूर्ववर्ती अधिसूचना निरस्त करते हुए एक अन्य अधिसूचना जारी कर उसका कार्यान्वयन नहीं किया।

vii. इस प्रकार किलिन से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की छूट प्रदान करने वाली वित्त मंत्रालय की अधिसूचना लागू है।

viii. यह उपाय जारी रहने के कारण रिमांड ऑर्डर के अनुसरण में जारी किए गए नए अंतिम जांच परिणामों के बाद वित्त मंत्रालय को एक नई अधिसूचना जारी करने की कोई जरूरत नहीं थी।

ix. भारत के आयातक ने सीमाशुल्क संबंधी एक मामले में सेरटेट के समक्ष ये तथ्य प्रस्तुत किए थे और सेरटेट ने 8 जनवरी, 2007 को उस उक्त मामले में स्थगनादेश प्रदान करना उचित समझा था।

27. इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा खासकर एनएसआर में विचारित संबंधित कम्पनियों के बारे में सूचना के संबंध में विभिन्न आरोप लगाए गए थे और रिमांड प्रक्रिया का निम्नानुसार खंडन किया गया है।

28. घरेल उद्योग ने सेरटेट के निर्णय के अनुसरण में की गई एनएसआर रिमांड कार्यवाही में किए गए अपने अनुरोधों की अक्षरशः प्रतिलिपि पुनः प्रस्तुत की है। उनके अनुरोधों पर प्राधिकारी ने एनएसआर के अंतिम जांच परिणामों में कार्यवाही की थी। इस निर्णायक समीक्षा ने उन मुद्दों का पुनरावलोकन अपेक्षित नहीं है। घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि अंतिम जांच परिणामों में निहित सिफारिशों सीमाशुल्क अधिसूचना जारी करने के रूप में केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार नहीं की गई हैं। उनका आरोप है कि चूँकि सिफारिशें स्वीकार नहीं की गई थीं इसलिए उसमें निकाले गए निष्कर्ष को अंतिम नहीं माना जा सकता। यह अर्थ निरूपण गलत है।

29. केन्द्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिशों का कार्यान्वयन करते हुए सीमाशुल्क अधिसूचना जारी की जा चुकी थी। सेरटेट द्वारा रिमांड ऑर्डर के बाद केन्द्र सरकार ने पूर्ववर्ती अधिसूचना रद्द नहीं की। उक्त अधिसूचना लागू थी। रिमांड कार्यवाही में प्राधिकारी ने अपने पूर्ववर्ती जांच परिणामों की पुष्टि की। रिमांड कार्यवाही में जांच परिणामों के अनुसरण में इस प्रतिवादी नियोतक से हुए आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क उद्यग्रहणीय नहीं था। चूँकि पूर्ववर्ती अधिसूचना लागू थी इसलिए एक और अधिसूचना जारी करने की कोई जरूरत नहीं थी। इसलिए यह तर्क अस्वीकार्य है कि प्राधिकारी के जांच परिणाम अंतिम नहीं थे।

30. उन्होंने आगे रिमांड कार्यवाही में अपने अनुरोधों को दोहराया है और अपने अनुरोधों का निम्नानुसार निष्कर्ष निकाला है :

i. जैसा कि स्वयं घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती कार्यवाही में उपर्युक्त अनुरोधों पर विचार किया गया है और तत्पश्चात न्यू शिपर समीक्षा मामले में हमारी कंपनी को शून्य पाटन मार्जिन प्रदान करने का निर्णय लिया गया था।

ii. उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि वे किंगकांग बिल्डिंग मेटेरियल कं. लि., जिसने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है, से संबंधित नहीं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध के बारे में यह बताया

जाता है कि वे आधारहीन हैं क्योंकि संबंधित कंपनियों के बारे में इस निर्णायक समीक्षा में कोई नया प्रकटन नहीं किया गया है।

iii. यह कहा जाता है कि बैली सिरेमिक कं. लि. नाम से एक नई कम्पनी प्रतिवादी कम्पनी के शेयरधारकों में से एक शेयरधारक द्वारा वर्ष 2004 में शुरू की गई है और कारोबार लाइसेंस 2004 में एक अत्यावधि के बाद बापस कर दिया गया बताया गया है।

iv. उन्होंने घरेलू उद्योग के इस आरोप का खण्डन किया है कि उन्होंने कोई विरोधाभासी अनुरोध किया है।

v. अपने अनुरोधों में उन्होंने यह दोहराया है कि वैटर ग्रुप (होल्डिंग) कं. लि. एक निवेश कंपनी है यद्यपि कारोबार पंजीकरण प्रमाण पत्र से कारोबार का स्वरूप “व्यापार एवं निवेश” होने का पता चलता है तथापि व्यापार कार्य इस ग्रुप की अन्य कंपनियों द्वारा किया जाता है। प्रश्नावली के उत्तर में किए गए उल्लेख के अनुसार चाइना सिरेमिक सिटी इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., हांगकांग में पंजीकृत न कि चाइना में पंजीकृत एक कंपनी है। उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली के प्रश्न सं. ए5 का उल्लेख किया न कि जिसमें “संबंधित उत्पाद” से जुड़ी संबंधित कंपनियों के बारे में सूचना माँगी गई है और चूँकि संबंधित उत्पाद से कोई संबंधित कंपनी जुड़ी हुई नहीं है इसलिए इस प्रश्न का कोई उत्तर देना जरूरी नहीं है। उन्होंने उल्लेख किया है कि यह आरोप आधारहीन और अवांछित है कि उन्होंने संबंधित कंपनियों के बारे में सूचना छिपाई है।

vi. अपने अनुरोधों का निष्कर्ष निकालते हुए उन्होंने अनुरोध किया है कि यह विवाद निर्विवादित है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उनके संबंध में न्यू शिपर समीक्षा की समाप्ति पर और रिमांड के बाद जारी अंतिम जांच परिणामों में भी प्रथम अंतिम जांच परिणाम में शून्य पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है। अतः वित्त मंत्रालय द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रश्न नहीं उठता। उन्होंने आगे यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दों की इस निर्णायक समीक्षा के लिए कोई प्रासंगिकता नहीं है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

31. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हो रही सतत क्षति तथा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत तर्कों, समीक्षा से संबंधित अन्य तर्कों तथा संबद्ध देशों के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत विरोधाभासी तर्कों को नोट करते हैं। प्राधिकारी विभिन्न उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उत्तर प्रस्तुत करने में किए गए विलंब के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों को भी नोट करते हैं और यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग के पास खासकर तब जब घरेलू उद्योग स्वयं उत्पादन लागत आदि के बारे में सूचना प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं करता है, यह मुद्दा उठाने का कोई कानूनी आधार नहीं है जिसकी वजह से प्राधिकारी इस बात की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के लिए शीघ्र सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करने के लिए बाध्य हुआ था कि क्या घरेलू उद्योग जांच की पहल करने में वर्तुतः इच्छुक है। प्राधिकारी आगे यह मानते हैं कि इसी चरण पर घरेलू उद्योग ने सीI. और सीII आदि प्रपत्र में विस्तृत सूचना प्रस्तुत की और इस मामले की आगे जांच की जा सकी।

32. जहाँ तक इस आरोप का संबंध है कि प्रतिवादी निर्यातकों ने अन्य देशों में शुरू की गई ऐसी ही जांचों के बारे में सूचना छिपाई है, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाकिस्तान और फ़िलिपींस में ये जांचें समग्र सिरेमिक टाइलों के खिलाफ की गई थीं और ये विट्रीफाइड टाइलों तक ही सीमित नहीं थीं जो कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद हैं अतः उन जांचों को वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक नहीं माना जा सकता ।

33. अन्य देशों में विभिन्न प्राधिकारियों के समक्ष प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किए गए अलग-अलग अनुरोधों के मुद्दे के बारे में प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इन मुद्दों पर घरेलू उद्योग द्वारा ऐसा कोई निर्णयक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे प्राधिकारी इस बारे में कोई मत निर्धारित कर सके और यह कि प्राधिकारी के पास प्रकटन विवरण में किए गए उपर्युक्त उल्लेख के अनुसार प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा किए गए खण्डन को स्वीकार न करने का कोई कारण नहीं है । इसके अलावा, जहाँ तक संबंध के बारे में तथ्यों को छिपाने का प्रश्न है, प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत अनुरोध यह निष्कर्ष निकालने हेतु प्राधिकारी के लिए पर्याप्त है कि ये मुद्दे न्यू शिपर समीक्षा में किए गए उनके अनुरोधों की पुनरावृत्ति है । एनएसआर जांच परिणामों में इन मुद्दों का समाधान करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उन मुद्दों को एक बार फिर नोट करने की जरूरत नहीं है और इनका पुनरावलोकन जरूरी नहीं है । प्राधिकारी आगे यह मानते हैं कि जहाँ तक संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में कंपनियों के साथ संबंध न होने का प्रश्न है, निर्यातक प्रश्नावली के प्रश्न सं. ६५ का उत्तर अधिमानतः प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर के अनुरूप है । प्राधिकारी आगे यह मानते हैं कि यदि कोई हितबद्ध पार्टी किसी अन्य हितबद्ध पार्टी के खिलाफ कोई आरोप लगाती है तो प्राधिकारी द्वारा उस पर उस स्थिति में ही विचार किया जाएगा यदि वह दस्तावेजी साक्ष्य के साथ पुष्टिकृत किया गया हो और वेबसाइट परे का केवल संदर्भ देना उस पर विचार करने हेतु प्राधिकारी के लिए एक पर्याप्त साक्ष्य नहीं समझा जाएगा ।

34. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति और घरेलू उद्योग के लिए पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति के खतरे का विश्लेषण करते समय घरेलू उद्योग और प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों दोनों द्वारा दिए गए अन्य सभी तर्कों पर विचार किया है ।

४. पाटन का निर्धारण : सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

35. प्राधिकारी ने धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ समस्त ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियाँ भेजीं । ताइवान और जापान के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।

36. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध १ के पैरा ७ के अनुसार प्राधिकारी के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण “ बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित कीमत या ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत के आधार पर अथवा जहाँ ऐसा संभव नहीं है वहाँ समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत सहित किसी अन्य यथोचित आधार पर करना अपेक्षित होता है । बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में सामान्य मूल्य के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा कोई आंकड़ा या सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई थी । निर्यातकों/उत्पादकों ने भी इस मामले में उत्तर नहीं दिया है । अतः किसी अन्य विकल्प के अभाव में प्राधिकारी ने नियम ६(८) के अनुसार उपलब्ध तथ्य पर भरोसा किया है ।

छ.१ बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर की जांच

छ.१.१ चीन जन. गण.

37. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस अनुमान के साथ कार्यवाही की है कि ऐसा कोई देश जिसके बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच से पूर्ववर्ती तीन वर्ष की अवधि के दौरान गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना है या माना गया है, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों में चीन जन. गण. को ईयू तथा अमरीका जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक देश माना गया है। इस मामले में चीन जन. गण. की जांच गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में करने का प्रस्ताव है।

38. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के पैरा 8, अनुबंध I के अनुसार किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) के अनुबंध में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध करता है और इसके विपरीत सिद्ध में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध करता है और इसके विपरीत सिद्ध में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध करता है। चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था करता है। चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार से संबंधित प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, विक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्य को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से अग्रनीति विशिष्ट विरूपणों, खासकर परिसम्पत्तियों के हास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के अधीन होती हैं;

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जा कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।

39. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियों की प्रतियाँ भेजीं। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने इस निर्णयक समीक्षा के प्रयोजनार्थ अपनी अलग-अलग क्षमता में और बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के दावे के प्रतिकूल गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का खण्डन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

1. फोशान चैनचेंग आउलिंग कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि.
2. फोशान हाओहेंग सिरेमिक कं. लि. (एफएचसी)

3. हेयुआन वेनफेंग सिरेमिक्स कं. लि.,
4. फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि.
5. फोशान हुआचैगेचेंग सिरेमिक कं. लि. (एचसीसी) तथा ग्वांगडांग
6. डॉगपेंग सिरेमिक कं. लि. (डीसीसी)
7. फोशान चेनचेंग जिन्यी सिरेमिक्स कं. लि
8. जाँयसन सिरेमिक्स मेटेरियल कं. लि.
9. मै. सेट लुइस सिरेमिक कं. लि.
10. मै. किंगकॉग बिल्डिंग मेटेरियल्स कं. लि.
11. मै. किंग युआन साउदर्न बिल्डिंग मेटेरियल्स एंड सेनेटरी वेयर्स कं. लि.
12. मै. न्यू झोजियुआन सिरेमिक्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
13. मै. विंटो सिरेमिक्स लि.
14. मै. ग्वांगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कं. लि. जिसमें मै. फोशान सेन्सुई हुइवांजिया सिरेमिक कं. लि. तथा मै. फोशान समिट सिरेमिक कं. लि. (उत्पादक) तथा मै. फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक) शामिल हैं।

40. इनमें से प्रत्येक प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक को बाजार/गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में व्यवहार पर निम्नोक्त व्यौरों के अनुसार चर्चा की गई है :

छ.1.1.1 पूर्व में जांच किए गए चीन के इन निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की जांच

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नीचे उल्लिखित अधिसूचना के तहत निम्नलिखित कंपनियों की विस्तार से जांच की गई है-

क्र. सं.	अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. एवं तारीख	कंपनियों के नाम
1.	15/2/2003- डीजीएडी दिनांक 30.12.2005	फोशान चेनचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि. (उत्पादक) तथा प्रेस्टिज जनरल ट्रेडिंग, दुबई (निर्यातक)
2.	15/19/2004-डीजीएडी	हेउआन वेनफेंग सिरेमिक कं. लि. (उत्पादक), फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि. (चीन में निर्यातक) तथा इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफजेडई, यूएई (यूएई में निर्यातक)
3.	15/15/2004-डीजीएडी	मै. किंग युआन साउदर्न बिल्डिंग मेटेरियल्स एंड सेनेटरी वेयर कंपनी लि. (चीन में उत्पादक) तथा न्यू झोजियुआन सिरेमिक्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि. ऑफ ग्वांगडांग (चीन में निर्यातक)
4.	15/3/2005-डीजीएडी दिनांक 3 अक्टूबर, 2007	मै. ग्वांगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कं. लि. जिसमें मै. फोशान सेन्सुई हुइवांजिया सिरेमिक कं. लि. तथा मै. फोशान समिट सिरेमिक कं. लि. (उत्पादक) तथा मै. फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक) शामिल हैं

42. प्राधिकारी द्वारा की गई विस्तृत जांच के आधार पर उपर्युक्त कंपनियों के बारे में यह निष्कर्ष निकाला गया था कि ये कम्पनियां बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की हकदार हैं। याचिकाकर्ताओं के

पास वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा किए निर्धारण का खण्डन सेस्टेट के समक्ष भी करने का अवसर था। तथापि, याचिकाकर्ताओं ने न्यायोचित आधार पर प्राधिकारी द्वारा पूर्व में किए गए निर्धारण को चुनौती नहीं दी है। याचिकाकर्ताओं ने इन प्रतिवादी निर्यातकों में से कुछ द्वारा किए गए झूठे दावों का आरोप लगाया गया है। इस दावे की, खासकर कुछ अन्य कंपनियों के साथ इनन प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध के बारे में तथ्यों को कथित रूप से छिपाए जाने की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंध के बारे में तथ्यों को कथित रूप से छिपाए जाने की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यही आरोप नई शिपर समीक्षा में उपर्युक्तानुसार घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए थे और प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए इन प्रत्येक मुद्दों के संबंध में विस्तृत औचित्य प्रस्तुत किया था। वर्तमान निर्णायक उद्योग द्वारा उठाए गए अनुरोधों में, एक बार फिर वही मुद्दे रेखांकित किए गए हैं और प्राधिकारी की समीक्षा में किए गए अनुरोधों में किए गए अनुरोधों में, एक बार फिर वही मुद्दे रेखांकित किए गए हैं। इसके अलावा, जानकारी में वास्तविक दस्तावेजी साक्ष्य से समर्थित कोई नए तथ्य नहीं लाए गए हैं। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने उपर्युक्त कंपनियों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के पुनर्निर्धारण को न्यायोचित ठहराते हुए कोई सार्थक कारण नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी इस मुद्दे का पुनरावलोकन आवश्यक नहीं मानते हैं और उन्होंने पूर्व में किए गए निर्धारण की पुनः जांच नहीं की है और उनका प्रस्ताव वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ इन कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने का प्रस्ताव करते हैं।

43. उपर्युक्त स्थिति के होते हुए भी हेयुआन बेनफेंग सिरेमिक कं. लि. (उत्पादक), फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि. (चीन में निर्यातक) तथा इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफजेडई, यूएई (यूएई में निर्यातक) के संबंध में प्राधिकारी यह मानते हैं कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय की एक बार घोषणा होने के बाद उसका प्रभाव इस मामले में लागू हो जाएगा यदि ऐसे निर्णय में इस उत्पादक/निर्यातक संकुल को पहले से प्रदत्त बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार पर लगाए गए प्रश्नचिह्न का समाधान हो जाता है। ऐसे समय तक एतदपश्चात परवर्ती पैराग्राफों में किए गए उल्लेख के अनुसार इस उत्पादक/निर्यातक संकुल के लिए वर्तमान जांच परिणाम लागू रहेंगे।

44. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि वर्तमान एसएसआर जांच की कार्यवाही के दौरान न्यू शिपर समीक्षा निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर की गई एक याचिका के आधार पर की गई थी :

1. मै. फोशान नन्हाई जिंग यू सिरेमिक्स लि. फोशान, चीन जन. गण., जिसे बिओमा सिरेमिक्स के नाम से भी जाना जाता है (उत्पादक)
2. मै. शाई इंटरनेशनल लि., हांगकांग (निर्यातक)

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि उक्त न्यू शिपर समीक्षा में जांच पूरी हो गई है तथापि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के इस मुद्दे पर अंतरिम आदेश के कारण इस न्यू शिपर समीक्षा में अंतिम जांच परिणाम जारी नहीं किए गए हैं।

46. इस एनएसआर में माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश को ध्यान में रखते हुए और इस तथ्य को भी ध्यान में रखते हुए और इस तथ्य को भी ध्यान में रखते हुए कि जांच अवधि के दौरान उक्त उत्पादक/निर्यातक संकुल ने अब तक भारत को बिक्री नहीं की है अपितु जांच अवधि के बाद की अवधि में भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है, प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध अनुरोधों का ध्यान में रखते हुए इस संकुल को सहयोगी निर्यातक माना है। प्राधिकारी का आगे यह मानना है कि इस एनएसआर में प्राधिकारी के उक्त आदेश का प्रवर्तन माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा और वह वर्तमान एसएसआर पर समान रूप से लागू होगा।

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान एसएसआर जांच की कार्यवाही के दौरान न्यू शिपर समीक्षा जांच भी निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर एक याचिका के आधार पर की गई थी :

1. मै. फोशान चेन चैंग जिन यी सिरेमिक कं. लि., चीन (उत्पादक)
2. मै. फोशान जायसन सिरेमिक मैटेरियल कं. लि., चीन (निर्यातक) और
3. मै. एबल एसी (एम) एसडीएन बीडीएच, मलेशिया (निर्यातक)

48. प्राधिकारी ने 28 मार्च, 2008 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 15/14/2006-डीजीएडी के तहत इस न्यू शिपर समीक्षा में अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे। इन अंतिम जांच परिणामों में इन उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालनरत माना गया है और उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया गया है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ इन उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार जारी रखा जाए।

छ.1.1.2 चीन के इन निर्यातकों, जिनकी पूर्व में जांच नहीं की गई है, के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार की जांच

49. चीन के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया था, जिनकी प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार की पात्रता के बारे में पूर्व में जांच नहीं की गई थी। अतः प्राधिकारी ने इन कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार की विस्तार से जांच की है। इन कंपनियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दावे का सत्यापन करने के लिए मौके पर विस्तृत जांच भी की गई थी :

1. मै. फोशान हुआनशेंगचैंग सिरेमिक कं. लि. (एचसीसी) (उत्पादक) तथा संबंधित कंपनी ग्वांग डांग डांगपेंग सिरेमिक कं. लि. (डीसीसी) (निर्यातक)
2. विटो सिरेमिक कं. लि.।

50. इन कंपनियों से स्वामित्व, प्रबंधन, नियंत्रण, वाणिज्यिक एवं व्यापारिक नीतियों के निर्धारण तथा वित्तीय स्थिति आदि से संबंधित विस्तृत प्रश्न पूछे गए थे। इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों की जांच यह निर्धारण करने के लिए की गई थी कि क्या ये कंपनियां किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में विद्यमान स्वतंत्रता की तुलना में चीन की सरकार से अधिक स्वतंत्रता का उपयोग करती हैं। प्राधिकारी ने संबंधित प्रत्येक कंपनी से निम्नलिखित मापदण्डों के बारे में सामान्य तथा कुछ विशिष्ट सूचना मांगी :-

- स्वामित्व के ब्यौरे
- शेयर धारिता की पद्धतियाँ
- प्रवर्तक/नियंत्रक कंपनी/कंपनियों से संबंधित सूचना
- निदेश मंडल का गठन, उनकी विधिक स्थिति तथा उनमें प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति/पक्षकार
- कच्ची सामग्री की निविष्टि तथा लागत
- किसी न्यूनतम मजदूरी की मौजूदगी अथवा अन्यथा राज्य द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी संबंधी शर्त और क्या उद्यम बाजार मांग के अनुसार मजदूरी निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है

- उत्पादन सुविधाएं एवं लागत
- ऋण एवं संस्क्रितियाँ
- वरतु विनिमय व्यापार/प्रति व्यापार
- लाभ वितरण
- दिवालियापन तथा संपत्ति कानून
- विनिमय दर परिवर्तन

51. इस आशय की जांच करने के लिए कि क्या आवेदक के संसाधनों के आवंटन और निर्णयों पर राज्य का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष कोई प्रभापव है, इन याचिकार्ता कंपनियों के स्वामित्व की पद्धति की विस्तृत जांच की गई थी। हितबद्ध पार्टियों के दावों/प्रतिदावों को ध्यान में रखा गया था और इस संबंध में व्यौरों का सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने संबंधित कंपनियों सहित इन कंपनियों के निदेशक में व्यौरों का सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने संबंधित कंपनियों के प्रबंधन और कार्यचालन में राज्य की जांच की थी ताकि यह निर्धारण किया जा सके कि क्या कंपनियों के प्रबंधन और कार्यचालन में राज्य का कोई हस्तक्षेप या भागीदारी है। प्राधिकारी ने निदेशक मंडल, पर्यवेक्षण मंडल के गठन, महाप्रबंधक, ऐसी कंपनियों में राज्य या राज्य की स्वामित्व वाले/नियंत्रित व्यक्तियों/निकायों द्वारा अदा की जाने वाली अपराधों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका यदि कोई हो, से संबंधित संगत प्रावधानों पर भरोसा किया है। इसके अलावा, मौके पर सत्यापन के दौरान मशीनों/उपकरणों, भूमि, भवन तथा अन्य सभी परिसंपत्तियों के प्राप्ति/खरीद के व्यौरों का आकलन किया गया था।

52. तथापि, उपर्युक्त पैरा 46 में किए गए उल्लेख के अनुसार यह पाया गया था कि उपर्युक्त कंपनियों ने अधिकारियों के एक दल द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने की अपेक्षा को निम्नलिखित कारणों से पूरा नहीं किया है:

मै. फोशान हुआनशेंगचेंग सिरेमिक कं. लि. (एचसीसी) (उत्पादक) तथा संबंधित कंपनी ग्वांग डांग डांगपेंग सिरेमिक कं. लि. (डीसीसी) (निर्यातक)

i. व्यापार लाइसेंस के अनुसार, शिवान डॉगफैग सिरेमिक्स ग्रुप कं. लि. की स्थापना एक सीमित दायित्व वाली कंपनी के रूप में अत्यधिक पंजीकृत पूँजी के साथ 11 नवम्बर, 1997 को की गई थी। तथापि उपकरणों के बाजार मूल्य को उक्त बाजार मूल्य के केवल 70% पर हस्तांतरित किया गया था। इसी प्रकार विभिन्न कारों के बाजार मूल्य को आरएमबी पर हस्तांतरित किया गया था जो उनके बाजार मूल्य का मात्र 40% था।

ii. जून, 2000 से सामूहिक स्वामित्व वाले उद्यम द्वारा शेयर धारिता व्यष्टियों को हस्तांतरित कर दी गई थी किन्तु कंपनी के प्रतिनिधियों ने वित्तपोषण के स्रोत का पता बताने में असमर्थता जाहिर की थी।

iii. जहाँ तक वर्ष 2000 के दौरान अपनाई गई बोली प्रक्रिया का संबंध है, बोली प्रक्रिया से संबंधित कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

iv. सीपीए की परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, समायोजनों के बाद मूल्यांकन मूल्य परिसंपत्ति के निवल अंकित मूल्य का केवल 56% था।

विटो सिरेमिक्स (उत्पादक तथा निर्यातक)

i. कंपनी की स्थापना सीमित दायित्व वाली एक कंपनी के रूप में 3 मार्च, 1999 को की गई थी किन्तु वर्ष 1999 का व्यापार लाइसेंस कंपनी के पास उपलब्ध नहीं था।

ii. भूमि एवं भवन के बारे में यह बताया गया था कि उन्हें फोशान सिरेमिक इंडस्ट्री एंड ट्रेड ग्रुप कंपनी से 1 नवम्बर, 1998 से किराए और पट्टे पर लिया गया था [जिसके बारे में अन्य बातों के साथ-साथ यह बताया गया है कि एमईटी उत्तर के साथ संलग्न पट्टा संविदा की प्रति के अनुसार उसे हुआडा कंपनी से खरीदा गया था। दिनांक 18.8.2006 को जारी व्यापार लाइसेंस (सत्यापन के दौरान प्रस्तुत फोटोकॉपी) के अनुसार फोशान सिरेमिक इंडस्ट्री एंड ट्रेड ग्रुप कंपनी लि. की स्थापना वर्ष 1937 के दौरान की गई थी। वर्ष 1987 के दौरान इस कंपनी की विधिक स्थिति स्पष्ट नहीं की जा सकी। इसके अलावा, इस आशय का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया कि हुआडा डोरमिटरी का निर्माण कब किया गया था।

iii. नियत परिसंपत्तियों के अनुसार सिरेमिक रॉलर किल्न (10 सं.) के बारे में यह बताया गया था कि वह स्व निर्मित परिसंपत्ति है जिसे 31.12.2005 को स्थापित किया गया था जबकि कंपनी द्वारा वर्ष 2000 से टाइलों का उत्पादन किया जा रहा था। कंपनी यह स्पष्ट नहीं कर सकी कि किसी भट्ठे के बिना उन्होंने वर्ष 2000 से 2005 तक के दौरान टाइलों का विनिर्माण किस प्रकार किया।

iv. लगभग 34% परिसंपत्तियों के बारे में यह बताया गया था कि वे स्व निर्मित हैं किन्तु सत्यापन हेतु विभिन्न संघटकों के ब्यौरे और अलग-अलग विवरण प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

53. अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि ये उत्पादक/निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं। इसके अलावा, निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भी उत्तर किए गए थे :

1. फोशान हाओहेंग सिरेमिक कं. लि. (एफएचसी), चीन।
2. फोशान हांजिउन ट्रेड कं. लि., चीन।
3. सेंट लुइस सिरेमिक कं. लि.।
4. किंग कांग बिल्डिंग मैटिरियल कं. लि., चीन

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी के साथ सहयोग करने की अपनी मंशा जाहिर की थी और उन्होंने प्रस्तुत किए गए अनुरोधों के संबंध में डीजीएडी द्वारा किए जाने वाले सत्यापन हेतु लिखित सहमति भी भेजी थी। तथापि इन उत्पादकों/निर्यातकों का सत्यापन करने के लिए भेजे गए अधिकारियों के दल को लिखित में यह सूचित किया गया था कि उन्होंने सत्यापन हेतु पूर्व में दी गई सहमति को वापस ले लिया है। अतः इन उत्पादकों/निर्यातकों का सत्यापन नहीं किया जा सका। अतः प्राधिकारी उपर्युक्त पैरा 51 में किए गए उल्लेख के अनुसार इन उत्पादकों/निर्यातकों को वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ असहयोगी निर्यातक घोषित करते हैं।

छ.1.1.3 बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे पर खरी उत्तरने वाली कंपनियों के मामले में सामान्य मूल्य

56. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :-

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार की साधारण प्रक्रिया में तुलनीय कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र में उपभोग के लिए हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ii) जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की साधारण प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां न हों अथवा जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की विशेष स्थिति या बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों से उचित तुलना की अनुमति न मिले, सामान्य मूल्य या तो

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की गई हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ख) प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों के लिए यथोचित वृद्धि के साथ- साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत और लाभों के लिए जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है;

57. जिन कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया गया है/प्रदान किया जा रहा है, उनके संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रश्नावली के उनके सत्यापित उत्तर के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी ने इन कंपनियों के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नलिखित कार्यप्रणाली अपनायी है :-

i. प्राधिकारी ने सर्वप्रथम यह सत्यापित किया कि क्या इन कंपनियों ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में पर्याप्त घरेलू बिक्री की है। जिन मामलों में लाभकारी घरेलू बिक्री कुल घरेलू बिक्री के 80% से अधिक थी, उन मामलों में घरेलू बाजार में बिक्री कीमत के भारित औसत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। जिन मामलों में लाभकारी बिक्री कुल घरेलू बिक्री के 80% से कम थी, उन मामलों में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु केवल लाभकारी घरेलू बिक्री को स्वीकार किया है। प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों के संबंध में सामान्य मूल्य की पृथक से तुलना निर्यात कीमत के साथ की है। अन्तर्देशी भाड़े, कमीशन, जहां लागू हो, के संबंध में कीमत समायोजनों का दावा किया गया है जिनका प्राधिकारी ने सत्यापन किया और सत्यापित दावों के आधार पर उनकी अनुमति दी।

ii. जिन मामलों में निर्यातक ने पर्याप्त घरेलू बिक्री नहीं की थी, उन मामलों में प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत हेतु उचित अभिवृद्धि के साथ निर्यातक को सत्यापित उत्पादन लागत स्वीकार की है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु ऐसी उत्पादन लागत में उचित लाभ जोड़ दिया गया है।

छ.1.1.4 बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की पूर्ति न करने वाली कंपनियों के मामले में सामान्य मूल्य

58. चीन के जो उत्पादक/निर्यातक अनुबंध-I के पैरा 8 में निर्धारित मापदण्डों को पूरा करने में समर्थ नहीं हुए हैं, उनके लिए प्राधिकारी ने अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इन कंपनियों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन में उन सभी सहयोगी उत्पादकों, जिनका सत्यापन किया गया था, के संबंध में कच्ची सामग्री हेतु खपत संबंधी भारत और सत्र मानक अपनाते हुए और कच्ची सामग्री की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत तथा भारत में परिवर्तन लागत, विधिवत समायोजित बिन्दु, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत को स्वीकार करते हुए किया गया है। प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार निकाला गया सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग द्वारा अपनी याचिका में किए गए ... के दावे की तुलना में ... बनता है।

छ.1.1.5 असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य

59. असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी चीन के निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ रहे हैं। अतः चीन जन. गण. के सभी असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण उसी स्तर पर किया गया है जिस स्तर पर बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की पूर्ति न करने वाले चीन के सहयोगी निर्यातकों के लिए किया गया है।

छ.1.1.6 प्रतिवादी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत

60. जिन निर्यातकों/उत्पादकों ने प्राधिकारी को सहयोग किया है और भारत को किए गए निर्यातों के आधार पर संगत सूचना उपलब्ध कराई है, उन सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए, नीचे पैरा 61 में उल्लिखित उत्पादकों/निर्यातकों को छोड़कर प्राधिकारी ने सत्यापित सूचना के आधार पर प्रत्येक प्रतिवादी निर्यातक के लिए निर्यात कीमत अलग से निर्धारित की गई है।

61. सहयोगी निर्यातकों अर्थात् मै. फोशान हुआनशेंग चेंग सिरेमिक कं. लि. (एचसीसी) (उत्पादक) तथा संबंधित कंपनी ग्वांगडांग डांगपेंग सिरेमिक कं. लि. (डीसीसी) (निर्यातक) तथा विटो सिरेमिक कं. लि., जिन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करने की घोषणा की है किन्तु सत्यापन के दौरान जिनके बारे में यह पाया गया है कि उन्होंने सिरेमिक टाइलों, न कि विट्रीफाइल टाइलों (पीयूसी) का वस्तुतः निर्यात किया है और उन्होंने संबद्ध वस्तु का निर्यात तीसरे देशों को किया है, के संबंध में तीसरे देशों को हुई बिक्रियों के आधार पर पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों के संदर्भ में जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना पर अलग-अलग पाटन मार्जिनों के निर्धारण हेतु विचार किया जाता है और यह केवल ऐसे निर्यातकों पर लागू होती है जो भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करते आ रहे हैं। चूंकि इन निर्यातकों ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है, इसलिए तीसरे देशों को किए गए निर्यातों के आधार पर अलग-अलग पाटन मार्जिनों का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। उस सीमा तक प्राधिकारी का यह मानना है कि इन उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यात कीमत वही होगी, जो असहयोगी निर्यातकों की अवशिष्ट श्रेणी पर लागू होती है।

छ. 1.1.7 असहयोगी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं के अनुसार और डीजीसीआई एंड एस के अनुसार उपलब्ध व्यापार आंकड़ों के अनुसार निर्यात की कुल मात्रा आंकड़ा स्रोत एकिजम द्वारा सूचित कुल निर्यातों से कम है। इसके अलावा, यह अनुमान ऐसे निर्यातकों से पाटन की संभावना के बारे में है, जिनके द्वारा भारत को निर्यात नहीं किया गया हो सकता है और इसके विपरीत जिनके द्वारा तीसरे देशों को पर्याप्त मात्रा में बिक्री की गई हो सकती है और इन निर्यातकों द्वारा तीसरे देशों को निर्यात बिक्री को पर्याप्त मात्रा में बिक्री की गई हो सकती है। अतः प्राधिकारी बाजारों में इसकी बिक्री करने की दृष्टि से इन नए निर्यातकों की संभावना के बारे में है। निर्यात कीमत के आधार पर असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने वास्तविक सत्यापित आंकड़ों के आधार पर इन निर्यातकों द्वारा समुद्री भाड़े, पत्तन व्यय तथा समुद्री बीमा और अन्तर्देशी भाड़े, त्रण लागत, पैकिंग व्यय एवं अप्रत्यादेय वैट के लिए किए गए व्यय में कीमत समायोजन किए हैं।

छ.1.1.8 तुलना संबंधी कार्यप्रणाली

63. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात कीमत के साथ की है। याचिकाकर्ताओं द्वारा किसी दावे के अभाव में प्राधिकारी ने अलंग-अलंग प्रकारों के बीच भेद करने के लिए प्रत्येक प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रयुक्त मापदण्डों पर विचार किया और इनमें से सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच पृथक तुलना की है।

छ.1.1.9 पाटन मार्जिन

64. जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है, निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित किया है, जो निम्नानुसार है :-

प्र 2.1 बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदत्त निर्यातक

क्र. सं.	उत्पादक/निर्यातक के नाम	* सामान्य मूल्य (आईएनआर)	* निवल निर्यात कीमत (आईएनआर)	* पाठन मार्जिन (आईएनआर)	पाठन मार्जिन %
1	फोशान चेन चेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स लि. (उत्पादक) तथा प्रेसटीज जनरल ट्रेडिंग, दुबई (निर्यातक)	***	***	***	नकारात्मक
2	हेयुआन वेनफेंग सिरेमिक कं. लि. (उत्पादक), फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि. (चीन में	***	***	***	शून्य

	निर्यातक) तथा इंटरप्राइज ट्रेडिंग एफजेडई, (यूएई में निर्यातक)				
3	मै. सदर्न बिल्डिंग मैटीरियल्स एंड सेनिटरी वेयर कं. लि. ऑफ किंगुयुआन सिटी (चीन में उत्पादक) तथा न्यू झांग युआन सिरेमिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ ग्वांग डांग (चीन में निर्यातक)	***	***	***	नकारात्मक
4	मै. ग्वांगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कं. लि. जिसमें मै. फोशान शांशुई हुईवांजिया सिरेमिक कं. लि. तथा मै. फोशान समिट सिरेमिक कं. लि. (उत्पादक) और मै. फोशान न्यूपर्ल ट्रेड लि. (निर्यातक) शामिल हैं।	***	***	***	नकारात्मक
5	मै. फोशान चेनचेंग जिनयी सरेमिक कं. लि., चीन (उत्पादक) मै. फोशान जॉयसन सिरेमिक मैटीरियल कं. लि., चीन (निर्यातक) तथा मै. एबल एसी (एम) एसडीएन बीडीएच, मलेशिया (निर्यातक)	***	***	***	नकारात्मक

छ. 1.1.10 गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदत्त निर्यातक

क्र. सं.	उत्पादक/निर्यातक के नाम	* परिकलित सामान्य मूल्य (आईएनआर)	* निवल निर्यात कीमत (आईएनआर)	* पाटन मार्जिन (आईएनआर)	पाटन मार्जिन %
1	मै. फोशान हुआनशेंगचेंग सिरेमिक कं. लि. (एचसीसी) (उत्पादक) तथा संबंधित कंपनी ग्वांगडांग डांगपेंग सिरेमिक कं. लि. (डीसीसी) (निर्यातक)	***	***	***	150-200%
2	विटो सिरेमिक कं. लि.	***	***	***	150-200%
3	चीन जन. गण. के अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	150-200%

* टिप्पणी: जांच अवधि के दौरान मुद्राओं के लिए परिवर्तन तालिका

1 अम. डा. = 45.67 भारतीय रूपए तथा 1 अम.डा. = आरएमबी

छ.2 संयुक्त अरब अमीरात

65. प्राधिकारी ने यूएई के ऐसे निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है जिनके द्वारा उक्त देश में विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने यह दावा किया है कि यूएई से कीमतों में वृद्धि होती रही है और ये वर्ष 2003-04 में *** रु. प्रति वर्ग मीटर से बढ़कर जांच अवधि में *** रु. प्रति वर्ग मीटर हो गई हैं। वस्तुतः यूएई की कीमतों के बारे में यह दावा किया गया है कि वे शेष विश्व की कीमतों की दोगुनी और चीन की कीमतों की तीन गुनी हैं। उन्होंने आगे यह दावा किया है कि याचिका के अनुसार यूएई से आयात की मात्रा 2003-04 में 5% से कम होकर रजांच अवधि में 0.5% हो गई है। आगे यह दावा किया गया है कि पाटन का आरोप प्राथमिक रूप से चीन के खिलाफ लगाया गया है और यूएई के खिलाफ कोई आरोप नहीं है और व्यक्तिगत रूप से यूएई द्वारा कोई कीमत कटौती या कम कीमत पर बिक्री नहीं की जाती है। यह दलील दी गई है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए संभावना संबंधी विशेषण में आरोप अनन्य रूप से चीन के खिलाफ लगाया गया है और यूएई के बारे में उल्लेख तक नहीं किया गया है और यूएई के बारे में उल्लेख तक नहीं किया गया है और यहाँ तक कि यूएई से पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना का साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। अपने अनुरोधों में उन्होंने यह उल्लेख किया है कि यूएई में केवल दो उत्पादक निर्यातक हैं जिनमें से आरएके द्वारा 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता से एक भारतीय सहायक कंपनी की स्थापना की जा चुकी है और उनकी विस्तार योजना 1,00,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की क्षमता स्थापित करने की है। आरएके के अलावा, यह दावा किया गया है कि एक अन्य इकाई अल खलीज सिरेमिक्स एक लघु प्रतिस्पर्धी है जो 100% से अधिक क्षमता पर प्रचालन कर रही है और उसकी कीमतें सर्वाधिक हैं। आगे यह दलील दी गई है कि यूएई पर कहीं भी पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा रहा है जिससे यूएई के निर्यातकों के लिए वहाँ विनिर्मित संबद्ध वस्तु को भारत भेजने का कारण माना जा सके। अतः उन्होंने अनुरोध किया है कि यूएई को निर्णायक समीक्षा के दायरे से बाहर रखा जाए।

66. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा अपने विधिक प्रतिनिधि एपीजे-एस एलजी लॉ ऑफिसेज के जरिए दिनांक 7 फरवरी, 2008 को किए गए अनुरोधों को नोट किया है जिनमें आयात आंकड़ों से इस बात की पुष्टि की गई है कि चीन से हुए आयातों द्वारा ही प्राथमिक रूप से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। उन्होंने इस बात की पुष्टि भी की है कि यूएई से अत्यंत उच्च कीमतों पर हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को वस्तुतः क्षति जारी नहीं रह सकती है।

67. अतः घरेलू उद्योग तथा यूएई के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा अपनाए गए इस साझा दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए कि उक्त देश से निर्यात की कीमत काफी अधिक है, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यूएई से भारत को हुए निर्यातों के संबंध में कोई पाटन नहीं हुआ है। प्राधिकारी यह भी निष्कर्ष निकालते हैं कि यूएई के इन्हीं निर्यातकों द्वारा भारत में भारी विनिर्माण क्षमता की स्थापना को ध्यान में रखते हुए, भविष्य में पाटन की कोई गुंजाइश नहीं है।

ज. क्षति निर्धारण

ज.1 क्षति जारी रहना

ज.1.1 घरेलू उद्योग के विचार

68. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इन अनुरोधों पर विचार किया है कि विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों पर पाटनरोधी शुल्क के बावजूद जिन स्रोतों पर आरंभ में पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था, उनमें से किसी

भी स्रोत से पाटन बंद नहीं हुआ है। उनके इस अनुरोध पर भी विचार किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद घरेलू उद्योग को क्षति जारी है और यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो पाटन का प्रभाव और अधिक गंभीर हो जाएगा क्योंकि घरेलू उद्योग निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत कीमतों की बराबरी करने के लिए बाध्य होगा जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को प्रत्यक्ष घाटा तथा क्षति पहुँचेगी। घरेलू उद्योग का इस आरोप कि संबद्ध देशों के निर्यातक भी जांच अवधि से पूर्व के वर्षों के दौरान पाटन में संलिप्त रहे हैं और निर्यातकों के कीमत व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, पर भी प्राधिकारी ने विचार किया है।

69. प्राधिकारी ने क्षति के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अंतर्गत बचाव की मांग करते हुए घरेलू उद्योग के अनुरोधों को भी नोट किया है जिनमें यह दलील दी गई है कि इसमें पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू कीमतों तथा संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों, दोनों पर उसके प्रभाव की तथ्यप्रक जांच शामिल होगी। प्राधिकारी ने उनके इस अनुरोध पर भी विचार रखिया है कि उनके दृष्टिकोण से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद स्थिति में सुधार आया है जिससे इस तथ्य की पुष्टि होती है कि पाटनरोधी शुल्क प्रभावकारी रहा है और घरेलू उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है यद्यपि सतत क्षतिकारक पाटन के मद्देनजर अपेक्षित सीमा तक प्रभाव न पड़ने का दावा किया गया है।

70. जहाँ तक मात्रा का संबंध है, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किए हैं कि आयातों के संबंध में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 में 51% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान बढ़कर 89% हो गया है, संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु की प्राप्तव्यों तक और उसकी निवल बिक्री प्राप्ति से कम है, कई याचिकाकर्ता उद्योग में नए प्रतिस्पर्धी हैं और इस प्रकार पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, समग्र घरेलू उद्योग की उचित तुलना व्यवहार्य नहीं है जिससे त्रुटिपूर्ण निष्कर्ष निकलेगा, प्रति कर्मचारी उत्पादकता और रोजगार तथा मजदूरी, दोनों में वृद्धि हुई है, लाभप्रदता तथा निवेश पर आय और नकदी प्रवाह में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग घाटे की भरपाई करने में समर्थ हो गया है तथा घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद वांछित बिक्री कीमत प्राप्त करने में समर्थ नहीं रहा है। प्राधिकारी ने इन अनुरोधों पर विचार किया है।

71. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत इस तर्क पर भी विचार किया है कि पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनावृत्ति होने की संभावना का मत निर्धारित करते समय संबद्ध देशों के खिलाफ पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क की मात्रा और प्रभाव तथा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में निर्यातकों के संभावित भावी व्यवहार को ध्यान में रखना जरूरी होता है और उसके प्राधिकारी के लिए इस बात की भी जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटन की प्रवृत्ति/व्यवहारगत प्रणाली जारी है और इस बात को भी ध्यान में रखना अपेक्षित होता है कि चूंकि संबद्ध देशों के निर्यातक/उत्पादक विचाराधीन निर्णायक समीक्षा के प्रभाव से पूर्णतः वाकिफ हैं, इसलिए उनके कीमत व्यवहार में हेरफेर करने/निर्धारित करने की संभावना है और इसलिए वह संदिग्ध एवं अविश्वसनीय है और इसीलिए जांच अवधि के दौरान विभिन्न कारकों में सुधार प्रत्यक्षतः संगत नहीं है।

72. प्राधिकारी घरेलू उद्योग की इस चिंता से सहमत है कि “संभावना” का मानदण्ड भी वास्तविक क्षति के वास्तविक खतरे से भिन्न होता है (अर्थात् इसे स्पष्टतः संभावी और आसन्नवर्ती होना चाहिए) और किसी निर्णायक समीक्षा में क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का विश्लेषण कमतर मात्रा और अलग-अलग मापदण्डों के बारे में किया जाता है, जिसका कारण यह है कि निर्णायक समीक्षा जांच में परिस्थितियां लागू उपायों द्वारा अवश्य प्रभावित होती हैं और विभिन्न क्षति कारकों का परिकलन और अर्थनिरूपण उस ढंग से नहीं किया जा सकता जैसाकि मूल जांच में किया गया था और

इस प्रकार घरेलू उद्योग के लिए क्षति की पुनरावृत्ति होने या उसके जारी रहने की किसी संभावना की स्थिति में शुल्क जारी रखना अपेक्षित होता है।

ज.1.2 उत्पादकों तथा निर्यातकों के विचार

ज.1.2.1 संयुक्त अरब अमीरात

73. प्राधिकारी ने यूएई के निर्यातकों के इन अनुरोधों पर विचार किया है कि यूएई से संबद्ध वस्तु के आयात से संबंधित आयात आंकड़ों के आधार पर यूएई के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने/जारी न रखने के बाद घरेलू उद्योग के लिए पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने या जारी रहने की संभावना के बारे में यह स्पष्ट तथा दृष्टव्य है कि यूएई से निर्यातों की मात्रा में प्रतिवर्ष कमी आ रही है और निर्यात कीमत में भारी वृद्धि हो रही है। प्राधिकारी ने इस बात पर भी विचार किया है कि मूल पाटनरोधी जांच पूरी होने के बाद आरएके द्वारा भारत के हैदराबाद स्थित अपने संयंत्र में संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता से अपनी खुद की सहायक कंपनी स्थापित की जा चुकी है और उसकी क्षमता बढ़ाकर 30,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की जा रही है। इसके अलावा, यह भी बताया गया है आरएके द्वारा 20,000 वर्ग मीटर प्रतिदिन की स्थापित क्षमता से गुजरात में एक अतिरिक्त उत्पादन इकाई स्थापित करने की कार्यवाही की जा रही है। प्राधिकारी ने इन अनुरोधों पर भी विचार किया है कि यूएई से निर्यात मात्रा की प्रवृत्ति, उसकी निर्यात कीमत, भारत में आरएके द्वारा स्थापित की जा रही क्षमताओं, भारत में भावी विस्तार योजनाओं तथा भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों में आरएके के हिस्से से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यूएई से पाटन की पुनरावृत्ति होने या उसके जारी रखने तथा यूएई से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की कोई उसके जारी रखने तथा यूएई से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की कोई संभावना नहीं है और भारत में पाटन करने के लिए यूएई में कोई बेशी क्षमता नहीं है अपितु आरएके द्वारा भारत में अतिरिक्त क्षमताओं का सृजन किया जा रहा है और यूएई में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारत को छोड़कर विश्व में कहीं भी पाटनरोधी जांच का सामना नहीं किया जा रहा है।

ज.1.2.1.1 चीन जन. गण.

74. चीन जन. गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के इन अनुरोधों पर भी विचार किया गया है कि घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि याचिका 70% से अधिक उत्पादन द्वारा समर्थित है जबकि इस बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। प्राधिकारी ने उनकी इन दलीलों पर भी विचार किया है कि याचिकाकर्ता ने पुनरावृत्ति तथा जारी रहना शब्दों का अदल-बदल कर प्रयोग किया है, यह कि नियमों के तहत केवल अभिमत अपेक्षित है न कि स्पष्ट सकारात्मक परिणाम, यह कि किसी निर्णायक समीक्षा में विश्लेषण कमतर मात्रा या अलग-अलग मापदण्डों के संबंध में नहीं किया जाता है। प्राधिकारी ने उनके इस दावे पर भी विचार किया है कि इस आशय का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि शुल्क की समाप्ति से क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और यह कि घरेलू उद्योग का यह दावा कि किसी निर्णायक समीक्षा हेतु जांच अवधि के दौरान निर्यातकों का कीमत व्यवहार छद्म तथा संदिग्ध एवं क्षति जारी रहने की संभावना है, एक अवांछित अनुमान है क्योंकि कानून में निर्यातक की कीमत के अविश्वसनीय होने की संभावना है, एक अवांछित अनुमान है। प्राधिकारी ने उनकी इस दलील पर भी विचार इस प्रकार आनुमानिक अस्वीकरण का प्रावधान नहीं है। प्राधिकारी ने उनकी इस दलील पर भी विचार किया है कि विभिन्न क्षति मापदण्डों में सुधार इस बात का स्पष्ट संकेत है कि क्या क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और इसलिए पुनरावृत्ति का तर्क पूर्णतः असत्य है और अस्वीकरणीय है और इसके अलावा यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि क्षति की पुनरावृत्ति हो रही है क्योंकि पाटन जारी है।

ज.1.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

75. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों दोनों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न तर्कों को नोट कर उन पर विचार किया है। प्राधिकारी ने पाया है कि चीन में भारी बेशी क्षमताएं हैं जिनकी जानकारी प्रतिवादी निर्यातकों के सत्यापन के दौरान मिली है। निर्यातकों में से एक निर्यातक के संबंध में घरेलू बाजार में कुल बिक्री और निर्यात मिलकर जांच अवधि के दौरान उनके उत्पादन का 52% बनते हैं। एक अन्य निर्यातक के संबंध में बेशी क्षमता 15% के आसपास है। प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि इन उत्पादकों द्वारा कुल स्थापित क्षमता का उपयोग नहीं किया जा रहा है और चीन में फोशान को ही सिरेमिक सिटी के रूप में निर्दिष्ट किया गया है जिसमें भारी मात्रा में उत्पादन होता है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटन की पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति अवश्यंभावी है क्योंकि शुल्क समाप्त किए जाने से बेशी क्षमताओं को पाटित कीमतों पर भारत में भेजे जाने और भारत में घरेलू विनिर्माताओं को क्षति होने की पूरी-पूरी संभावना है।

76. प्राधिकारी आगे यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यूएई के उत्पादकों तथा निर्यातकों और घरेलू उद्योग द्वारा समर्थित अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए यूएई से पाटन की संभावना और घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति से इनकार किया जाता है।

77. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में निम्नलिखित दोनों की तथ्यप्रक जांच का प्रावधान है :

- (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; तथा
- (ख) ऐसे उत्पादकों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव।

78. जहाँ तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या आयातों में समग्र रूप में या आयातक देश में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा पर्याप्त गिरावट आई है अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

79. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रभाव तथा कीमत और लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति की मौजूदगी और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच की जा सके।

ज.1.3.1 मात्रात्मक प्रभाव

ज.1.3.1.1 संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा (कुल आयातों का %, कुल मांग और घरेलू उत्पादन का %) : (स्रोत: इम्पेक्स क्योंकि डीजीसीआई एंड एस से सम्पूर्ण आंकड़े चीन तथा यूएई से आयातों के लिए न कि भारत में अन्य स्रोतों से हुए आयातों के लिए उपलब्ध कराए गए थे)।

80. आयात संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद प्राधिकारी ने पाया है कि कुल आयातों में संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा संबद्ध देशों के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद वर्ष

2003-04 में 51% से बढ़कर जांच अवधि में 87% हो गया है और यह भी सच है कि जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष में हुए आयातों की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों में लगभग 8 गुना वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि जांच अवधि के दौरान यूएई से मात्रा के रूप में कुल आयात संबद्ध देशों से हुए आयातों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 46% से बढ़कर जांच अवधि में 87% हो गया है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों में से आयात की मात्रा मुख्यतः चीन जन. गण. की है और यूएई का इन आयातों में नगण्य योगदान है। प्राधिकारी यह भी निष्कर्ष निकालते हैं कि भारत में कुल मांग की तुलना में चीन जन. गण. से हुए आयात वर्ष 2003-04 में 13% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 19% हो गए हैं जिससे इस तथ्य का पता चलता है कि संबद्ध देशों के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन से हुए आयातों ने घरेलू बाजार में मांग के एक बड़े हिस्से पर कब्जा जमा लिया है।

	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	अप्रैल, 05 से मार्च, 06	जांच अवधि
चीन से आयात (एसक्यूएम)	667568	1967415	3894692	5688596
सूचीबद्ध	100	295	583	852
यूएई से आयात (एसक्यूएम)	71548	50584	13994	33849
संबद्ध देशों से आयात (एसक्यूएम)	739116	2017999	3908686	5722445
कुल आयात (एसक्यूएम)	1457848	2746412	4421428	6574614
% हिस्सा	51%	73%	88%	87%
कुल मांग (एसक्यूएम)	5349535	14163944	24059164	30585298
कुल माँग में चीन से आयातों का %	12.47%	13.89%	16.19%	18.60%

81. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात भी वर्ष 2003-04 में 27% से बढ़कर जांच अवधि में 35% हो गए हैं और यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उत्पादन की तुलना में चीन जन. गण. से आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

घरेलू उत्पादन के % के रूप में चीन जन. गण. से आयात

	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	अप्रैल, 05 से मार्च, 06	जांच अवधि
चीन जन. गण. से आयात (एसक्यूएम)	667568	1967415	3894692	5688596
उत्पादन (एसक्यूएम)	2428724	6928439	12663766	16362978
% हिस्सा	27.48%	28.40%	30.75%	34.77%

82. मांग के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयात में न केवल समग्र रूप में अपितु कुल आयात, कुल मांग और घरेलू उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है और यह निष्कर्ष निकालते हैं कि देश में समग्र मांग आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर क्षति जांच अवधि के दौरान जांच अवधि में 572 (सूचीबद्ध) हो गई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है :-

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
कुल मांग (एसक्यूएम)	5349535	14163944	24059164	30585298
सूचीबद्ध	100	265	450	572

उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	अप्रैल, 05 से मार्च, 06	जांच अवधि
क्षमता (एसक्यूएम)	6287727	12969142	20382160	22286960
उत्पादन (एसक्यूएम)	2428724	6928439	12663766	16362978
क्षमता उपयोग %	39%	53%	62%	73%

83. उपर्युक्त तालिका में दिए गए विश्लेषण से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू उत्पादन और घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2003-04 में 39% से बढ़कर जांच अवधि में 73% हो गया है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इन अनुरोधों को भी नोट करते हैं कि क्षति का एक पाटन के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के रूप में संरक्षण मिलने के बाद देश में विट्रीफाइड टाइल उद्योग में भारी निवेश और विस्तार हुआ है। मूल जांच के समय उपर्युक्त पांच उत्पादकों की तुलना में देश में आज उत्पादकों की संख्या बीस के आसपास है। इसकी पुष्टि यूएई के प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों में से एक प्रतिवादी ने की है जिसने भारत में एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया है और एक अन्य संयंत्र स्थापित करने की कार्यवाही कर रहा है। अतः प्राधिकारी इन अनुरोधों और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए इस आशय के अनुरोधों को नोट करते हैं कि आधार वर्ष में घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन की तुलना इन कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण करने के लिए जांच अवधि में समग्र क्षमता और उत्पादन के साथ करना उचित नहीं हो सकता।

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इस अनुरोध को भी नोट किया है कि देश में मांग में 472% की वृद्धि होने के बावजूद जांच अवधि में घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 27% रहा है।

घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में परिवर्तन

	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	अप्रैल, 05 से मार्च, 06	जांच अवधि
कुल मांग (एसक्यूएम)	5349535	14163944	24059164	30585298
घरेलू उद्योग की विक्री (एसक्यूएम)	***	***	***	***
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा %	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	282	535	610
विक्री मूल्य (लाख रु.)	***	***	***	***

84. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के संबंध में किए गए उपर्युक्त विश्लेषण पर भी विचार किया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में क्षति जांच अवधि के मुकाबले 510% की वृद्धि हुई है किन्तु तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

घरेलू कीमतों पर पाठित आयातों का प्रभाव

	अप्रैल, 03 से मार्च, 04	अप्रैल, 04 से मार्च, 05	अप्रैल, 05 से मार्च, 06	जांच अवधि
चीन से पहुँच मूल्य (रु./एसक्यूएम)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	88	92	84
यूरेंस से पहुँच मूल्य (रु./एसक्यूएम)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	92	103	130
संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य (रु./एसक्यूएम)	***	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत (रु./एसक्यूएम)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	75	66	75

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद क्षति जांच अवधि के दौरान चीन से पहुँच मूल्य में गिरावट आई है। आधार वर्ष 2003-04 में 100 पर सूचीबद्ध यह जांच अवधि में 84 रहा है। दूसरी ओर यूरेंस से पहुँच मूल्य में वृद्धि हुई है और यह घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से अधिक है। आधार वर्ष में 100 पर सूचीबद्ध यह जांच अवधि में 130 रहा है। घरेलू बिक्री कीमत आधार वर्ष 2003-04 में 100 सूचीबद्ध से घटकर जांच अवधि में 75 हो गई है। इससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की कीमत में कमी आई है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यह एक अन्य संकेतक है कि यद्यपि चीन के मामले में संभावना का मापदण्ड स्पष्ट है तथापि भविष्य में यूरेंस से पाठित कीमतों पर ऐसी कोई संभावना प्रतीत नहीं होती है।

कम कीमत पर बिक्री और कीमत कटौती

कम कीमत पर बिक्री			
	संबद्ध देश	चीन	यूरेंस
घरेलू बिक्री कीमत रु./एसक्यूएम	***	***	***
संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य (रु./एसक्यूएम)	***	***	***
कीमत कटौती (रु./एसक्यूएम)	***	***	***
कीमत कटौती (%)	50.13%	50.9%	(-84.73%)

86. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों और चीन जन. गण. हेतु भारित औसत पहुँच मूल्य की अलग-अलग तुलना भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ कीमत कटौती संबंधी विश्लेषण किया है। संबद्ध देशों के लिए पहुँच मूल्य की गणना उत्तराई प्रभारों और मूल सीमाशुल्क को सीआईएफ कीमत में जोड़कर

की गई है। उपर्युक्त विश्लेषण से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन से कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है वहीं दूसरी ओर यूएई से कीमत कटौती ऋणात्मक रही है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन से आयातों के कारण घरेलू कीमतों पर प्रभाव पड़ा है और यूएई से हुए आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती नहीं हुई है।

87. प्राधिकारी यह भी निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन से भारी मात्रा में कम कीमत पर बिक्री भी की गई है और चीन से निर्यात ऐसी कीमत पर किए जा रहे हैं जिससे पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है :

कम कीमत पर बिक्री			
	संबद्ध देश	चीन	यूएई
वांछनीय बिक्री कीमत/एनआईपी रु./एसक्यूएम	***	***	***
संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (रु./एसक्यूएम)	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (%)	65-75%	65-75%	(-54%)

लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संभवतः घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण क्षति जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता तथा नकदी प्रवाह और निवेश पर आय में गिरावट आई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से नोट किया जाता है :-

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
लाभ/हानि (रु./एसक्यूएम)	***	***	***	***
लाभ/हानि (लाख रु.)	***	***	***	***
बिक्री पर % लाभ/हानि	17.33%	-2.67%	1.08%	8.39%

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
लाभ/हानि (लाख रु.)	***	***	***	***
जोड़िए: मूल्य हास	***	***	***	***
नकद लाभ (लाख रु.)	***	***	***	***
बिक्री % के रूप में नकद लाभ	21.71%	3.11%	4.91%	12.08%

लगाई गई पूंजी पर आय

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
लाभ/हानि (लाख रु.)	***	***	***	***
जोड़िए : ब्याज (लाख रु.)	***	***	***	***
ब्याज पूर्व लाभ (लाख रु.)	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी (लाख रु.)	***	***	***	***
आरओसीई (%)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	30	47	83

[भाग I—खण्ड 1]

89. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती दो वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में पर्याप्त सुधार हुआ है किन्तु वह क्षति अवधि के आधार वर्ष से अब भी कम है। ऐसी ही प्रवृत्ति घरेलू उद्योग के नकद लाभ और लगाई गई पूँजी पर आय में प्रदर्शित होती है।

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
उत्पादन (एसक्यूएम)	2428724	6928439	12663766	16362978
कर्मचारी	***	***	***	***
उत्पादन (एसक्यूएम/कर्मचारी)	***	***	***	***

90. निम्नलिखित तालिका के अनुसार आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि हुई है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है क्योंकि क्षति अवधि के कारण उत्पादकता में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है।

रोजगार एवं मजदूरी

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
कर्मचारियों की सं.	***	***	***	***
कुल मजदूरी (लाख रु.)	***	***	***	***
मजदूरी/कर्मचारी (रु.)	***	***	***	***

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है, उन्हें प्रदत्त मजदूरी में भी इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उच्चतर श्रमिक उत्पादकता द्वारा कुल मजदूरी लागत में वृद्धि को काफी हद तक निष्प्रभावी कर दिया गया है क्योंकि जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी मजदूरी बिल में वृद्धि वर्ष 2003-04 की तुलना में 6% से कम रही है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से पाटन मार्जिन काफी अधिक है और यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अत्यधिक पाटन मार्जिन से भविष्य में इस व्यवहार की संभावना का पता चलता है कि चीन से पाटन जारी रहेगा और घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

वृद्धि

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि कुल मांग में वृद्धि 472% तक हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के संबंध में वृद्धि भी ऋणात्मक है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग बढ़ती हुई मांग में उचित वृद्धि करने से वंचित हुआ और पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण लाभ में वृद्धि नहीं कर सका। प्राधिकारी आगे यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बढ़ते हुए आयातों, पहुँच मूल्य में कमी, पर्याप्त पाटन मार्जिन, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री को ध्यान में रखते हुए शुल्क जारी न रखने की स्थिति में चीन से पाटन में और अधिक वृद्धि होगी तथा घरेलू उद्योग को भारी क्षति पहुँचेगी।

माल सूचियाँ

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
अंतिम स्टॉक (एसव्यूएम)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	276	452	458
औसत स्टॉक	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	245	471	627

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति जांच अवधि के दौरान अंतिम स्टॉक और औसत स्टॉक में वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुँची है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

95. घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि घरेलू उद्योग की संरचना में परिवर्तन हुआ है। यह भी बताया गया है कि उन्हीं घरेलू उत्पादकों द्वारा संबद्ध वर्तु के लिए नई क्षमताएं भी सृजित की जा रही हैं। इसके अलावा, यूएईए के उत्पादकों ने भी नए विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए हैं तथा कुछ और स्थापित किए जा रहे हैं। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पूंजी निवेश जुटाने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता प्रभावित नहीं हुई है।

95.1 प्रकटन पश्चात अपने अनुरोधों में अनेक हितबद्ध पार्टियों ने विभिन्न क्षति मापदण्डों के संबंध में क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के आधार पर यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग को न तो सतत क्षति हुई है और न ही इस बात का कोई साक्ष्य है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

95.2 प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का निष्पादन इस प्रकार का था जिससे कि वह इस आशय का निष्कर्ष नहीं निकाल सके कि घरेलू उद्योग को सतत क्षति नहीं हुई है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसके और बढ़ने की संभावना है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध निम्नलिखित साक्ष्य से इस बात की पुष्टि होती है कि पाटनरोधी समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है -

- i. प्रतिवादी निर्यातकों में से एक निर्यातक के दावों के अनुसार चीन में विट्रीफाइड टाइलों के कई संयंत्र हैं।
- ii. दोनों प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना से स्वयं निम्नानुसार पता चलता है :-

 - क. जांच अवधि के दौरान उत्पादन *** वर्ग मीटर
 - ख. घरेलू बिक्री एवं निर्यात बिक्री *** वर्ग मीटर
 - ग. अधिशेष *** वर्ग मीटर

95.3 मौके पर सत्यापन के दौरान चीन के निर्यातकों के साथ हुई बातचीत से यह पता चला कि चीन की सरकार द्वारा पर्याप्त रूप में टाइल उद्योग का संवर्धन किया जा रहा है। फोशान सिटी “टाइल्स सिटी” का पर्यायवाची बन गया है। अधिकाँश संयंत्रों का मुख्य जोर निर्यातों पर है।

95.4 प्राधिकारी ने चीन से हुए आयातों की पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की लागत संरचनाओं के साथ की। परिणाम निम्नानुसार हैं—

- i. चीन से आयातों की पहुँच कीमत ***
- ii. भारतीय उत्पादकों के लिए प्रत्यक्ष लागत ***
- iii. भारतीय उत्पादकों के लिए उत्पादन की पूर्ण लागत ***

95.5 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि घरेलू उद्योग आयातों की पहुँच कीमत के बराबर कीमतों पर वस्तु की बिक्री करने के लिए बाध्य होता है तो इसका तात्पर्य यह है कि घरेलू उद्योग के संघटक संबद्ध वस्तु के उत्पादन और बिक्री से प्रत्यक्षतः संबंधित लागत की भी वसूली नहीं कर सकेंगे। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से घरेलू उद्योग के लिए भारी वित्तीय घाटा उत्पन्न होगा। इससे आगे और घरेलू उद्योग के निवेश पर आय और नकदी प्रवाह की स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा ऐसी स्थिति जिसमें घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु का उत्पादन और बिक्री से प्रत्यक्षतः संबंधित लागत से कम कीमत पर उत्पाद की बिक्री करने के लिए बाध्य होता है तो यह स्पष्ट हो जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में कमी आएगी। बिक्री मात्रा में कमी से अत्यावधि में लाभप्रदता पर पूर्ण प्रभाव पड़ेगा क्योंकि बिक्री हेतु उत्पादित मात्रा पर ऊपरी लागत का भार बढ़ जाएगा। इस प्रकार निकटतम भविष्य में घरेलू उद्योग ऐसी स्थिति में होगा जिसमें उसकी बिक्री और परिणामतः उत्पादन व क्षमता उपयोग का भारी नुकसान होगा। इसके अलावा, इससे लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकदी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः इस बात की स्पष्ट संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

95.6 प्राधिकारी नोट करते हैं कि अपाटित कीमतों पर भारत को निर्यात करने वाले प्रतिवादी निर्यातकों के अनुसार आयातों से संबंधित आंकड़े विभिन्न आंकड़ा लोतों अर्थात् एग्जिम एवं डीजीसीआई एण्ड एस में प्रदर्शित आयातों की मात्रा की बजाय मात्रा के रूप में अधिक हैं। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अपाटित आयातों के संबंध में प्राथमिक रूप से किया गया क्षति विश्लेषण संभावनागत परिदृश्य में प्रासंगिक है क्योंकि पाटित आयातों के भारत में कम से कम उस कीमत पर आने की संभावना है जिस कीमत पर अपाटित आयात आ रहे हैं और इसीलिए अपाटित आयातों के संदर्भ में क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन करने के लिए एक उचित तुलना है।

अ. कारणात्मक संबंध

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के उत्पादकों के पास उत्पादन क्षमताएँ चीन में मौजूदा मॉग से काफी अधिक हैं। यदि अन्य देशों को हुए निर्यातों की गणना की जाए तो मौजूदा क्षमताएँ वर्तमान मॉग से काफी अधिक हैं। वस्तुतः प्रतिवादी निर्यातक भी रथापित क्षमता से काफी कम पर प्रचालन कर रहे हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन के उत्पादकों के पास विचाराधीन उत्पादों के लिए मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त उत्पादन क्षमताएँ हैं। अतः मात्रा के संबंध में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में आयात मात्रा में पर्याप्त वृद्धि होने की स्पष्ट संभावना है। जहाँ तक

कीमतों का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद की बिक्री व्यापक रूप से भिन्न-भिन्न कीमतों पर की जाती है। यहाँ तक कि एक ही प्रकार के टाइलों की बिक्री कीमतों में पर्याप्त अंतर रखते हुए की गई हैं। इसके अलावा, चीन से निर्यात कीमत इतनी कम है कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से काफी कम होगी। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती होगी। पर्याप्त कीमत कटौती और चीन के उत्पादकों के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त उत्पादन क्षमताओं के मौजूदगी के कारण यह स्पष्ट हो जाता है कि बाजार में पाटित आयातों में भारी वृद्धि देखी जाएगी। चूँकि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पहले से ही बेहतर नहीं है और इसके अलावा चूँकि प्रत्यक्ष लागत का अनुपात उत्पादन की कुल लागत में काफी अधिक है इसलिए यह स्पष्ट हो जाता है कि घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी किसी भारी दबाव से ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी जिसमें घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन एवं बिक्री से संबंधित प्रत्यक्ष लागत वसूल करने में भी समर्थ होगा। वस्तुतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में आयातों की पहुँच कीमत संबंधित उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से संबंधित प्रत्यक्ष लागत से कम होगी। यदि घरेलू उद्योग आयातों की पहुँच कीमत के बराबर कीमतों पर बिक्री करता है तो यह स्पष्ट हो जाता है कि घरेलू उद्योग संबंधित उत्पादन के उत्पादन और बिक्री से जुड़ी प्रत्यक्ष लागत को भी वसूल नहीं कर पाएगा। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को अनिवार्यतः क्षति होगी।

97. उपर्युक्तानुसार प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और/या क्षति जारी रहेगी।

अंतिम जांच परिणाम

98. हितबद्ध पार्टियों उठाए गए मुद्दों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों और हितबद्ध पार्टियों के अनुरोधों के जरिए या अन्यथा उपर्युक्त जांच परिणामों में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा वर्तमान स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण और पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

i. यूरेई से कोई पाटन नहीं हुआ है। जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा अपने अनुरोधों में स्वीकार किया गया है। विनिर्मित और भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की कीमतों से काफी अधिक हैं और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

ii. चीन जन. गण. से अधिकाँश निर्यात उन कम्पनियों में से किए गए हैं जो पाटित कीमतों पर भारत में संबद्ध वस्तु की बिक्री नहीं करती हैं। यद्यपि ये अपाटित निर्यात हैं तथापि ये घरेलू उद्योग के लिए मंदी का कारण हैं। अतः पहले से लागू शुल्क की समाप्ति पर विचार करते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि संबद्ध वस्तु भारी मात्रा में पाटित कीमतों पर भारत में आएगी।

iii. वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन. गण. से पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के प्रवेश की संभावना है। इस प्रकार इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि पाटन की भरपाई करने के लिए शुल्क को सतत रूप से लागू रखना अनावश्यक है।

iv. लागू पाटनरोधी उपायों के बावजूद घरेलू उद्योग को वर्तमान में पर्याप्त क्षति हो रही है। रिकॉर्ड में भी ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे इस बात का पता चलता हो कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन या घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त होगी या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है। इसके विपरीत चीन में उपलब्ध भारी बेशी क्षमताओं के पाटित कीमतों पर भारत में आने की प्रबल संभावना है।

99. इस आशय का निर्णय लेने के बाद कि घरेलू उद्योग की स्थिति स्थिर बनी हुई है और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन. गण. से आयातों के कारण पाटन और क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। प्राधिकारी का यह मत है कि चीन जन. गण. से आयात के विरुद्ध उपाय को जारी रखना आवश्यक है। तथापि, संबद्ध देशों से पाटन के वर्तमान रत्तर और घरेलू उद्योग को हुई क्षति को ध्यान में रखते हुए लागू पाटनरोधी शुल्क को संशोधित करने की जरूरत है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटन/क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क जारी रखना आवश्यक समझते हैं और उसकी सिफारिश करते हैं।

100. तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित तालिका में निर्धारित निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। यह सिफारिश की जाती है कि शुल्क निम्नलिखित तालिका में दिए गए विवरण के अनुसार भारतीय रूपए के मूल्य वर्ग में लागू किया जाए।

ट. शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष/ टैरिफ मद	विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क वीरा राशि (भा. रु.)	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	<u>69.07</u> या <u>69.08</u> या <u>69.14</u>	इस अधिसूचना के पैरा 6 एवं 7 में यथावर्ती विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइल्स	कोई	चीन जन. गण.	यूरैंड	फोशान चेनचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि.	प्रेस्टिज ड्रेडिंग, दुबई	शून्य	वर्ग मीटर
2.	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	फोशान चेनचेंग आउलिन कंस्ट्रक्शन सिरेमिक्स कं. लि.	उपर्युक्त क्र. सं. 1 की पंक्ति सं. 8 में निर्यातक के अलावा अन्य कोई	155	वर्ग मीटर
3.	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हेयुआन वॉनफेंग सिरेमिक्स कं. लि.	फोशान लुंगो सिरेमिक्स कं. लि.	शून्य	वर्ग मीटर
4.	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	यूरैंड	हेयुआन वॉनफेंग सिरेमिक्स कं. लि.	इंटरप्राइज ड्रेडिंग एफजेडई, यूरैंड	शून्य	वर्ग मीटर
5.	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	हेयुआन वॉनफेंग सिरेमिक्स कं. लि.	उपर्युक्त क्र. सं. 3 एवं 4 की पंक्ति सं. 8 में निर्यातक के अलावा अन्य कोई	155	वर्ग मीटर

<u>6.</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मैं साउदर्न बिल्डिंग मेट्रोपियल्स एड सेनिटरी वेपर क. लि. ॲफ किनगुयान सिटी	न्यू झॉग युआन सिरेमिक्स इपोर्ट एवं पक्सापोर्ट क. लि. ॲफ किनगुयान सिटी	शून्य	वर्ग मीटर
<u>7.</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	मैं साउदर्न बिल्डिंग मेट्रोपियल्स एड सेनिटरी वेपर क. लि. ॲफ किनगुयान सिटी	उपर्युक्त क. स. 6 की परिस. स. 8 मे निर्धातक के अलावा अन्य कोई	155	वर्ग मीटर
<u>8.</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मैं ग्वांगडोग न्यूपल सिरेमिक ग्रुप क. लि. जिसमे मैं फोशान शान्सुई हुइयानजिया सिरेमिक क. लि. और मैं फोशान सम्मिट सिरेमिक क लि. शामिल हैं	मैं फोशान न्यूपल ट्रेड क. लि.	शून्य	वर्ग मीटर
<u>9.</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	मैं ग्वांगडोग न्यूपल सिरेमिक ग्रुप क. लि. जिसमे मैं फोशान शान्सुई हुइयानजिया सिरेमिक क. लि. और मैं फोशान सम्मिट सिरेमिक क लि. शामिल हैं	उपर्युक्त क. स. 8 की परिस. स. 8 मे निर्धातक के अलावा अन्य कोई	155	वर्ग मीटर
<u>10</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मैं फोशान चैन चेग जिन्सी सिरेमिक क. लि.	मैं फोशान जॉयसन सिरेमिक मेट्रोपियल क. लि.	शून्य	वर्ग मीटर
<u>11.</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	मत्सेशिया	मैं फोशान चैन चेग जिन्सी सिरेमिक क. लि.	मैं एवल एसी (एम) एसडॉएन वीडीएच, मत्सेशिया	शून्य	वर्ग मीटर
<u>12</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	- मैं फोशान चैन चेग जिन्सी सिरेमिक क. लि.	उपर्युक्त क. स. 10 एवं 11 की परिस. स. 8 म निर्धातक के अलावा अन्य कोई	155	वर्ग मीटर
<u>13</u>	वही	वही	कोई	चीन जन. गण.	कोई	कोई अन्य	कोई	155	वर्ग मीटर

101. केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील, जो इस सिफारिश से उत्पन्न हो सकती है, अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमांशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 2008

Final Findings (Sunset Review)

Subject: Anti-dumping investigation (Sunset Review) involving import of Vitrified/Procelain Tiles originating in or exported from China—PR and UAE.

No. 15/17/2006-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as rules):

A. Background of the case

2. And whereas, on the basis of a duly substantiated petition filed by the Domestic Industry, in terms of section 9A (5) of the said Act, requesting for continuation of the duty for a period of another five years,, the Designated Authority (hereinafter referred to as authority) initiated sunset review investigation in the above said matter on 30.4.2007, to examine whether the expiry of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury. Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1st January 2006 to 31st December 2006. However injury analysis has been carried out for the years 2003-04, 2004-05 and 2005-06 and the period of investigation.

3. In the original investigation, the Final Findings were issued on February 2003 with recommendation of duty @US\$ 8.28 per SQ.M.in respect of exports from China PR, US\$ 0.74 per SQ.M in respect of exports by RAK Ceramics UAE and US\$ 5.54 per SQ.M in respect of all other exporters from UAE. Provisional duty was imposed by Department of Revenue vide DOR Notification No.50/2002 dated 2.5.2002 and Notification after final determination was issued by Department of Revenue vide Customs Notification No.73/2003 dated 1.5.2003.

B. PROCEDURE

4. In these proceedings, the procedure described below has been followed:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.
- ii) Notices were also sent to the domestic industry in India seeking relevant information in accordance with the Rules;

- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iv) Questionnaires were sent to the known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4),
- v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations;
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) Responses were received from following producers / exporters.
- viii) The review application was filed by Strategic Law Group on behalf of the following domestic producers.
 - a. H & R Jhonson (India) Ltd.
 - b. City Tiles Ltd.
 - c. Restile Ceramics Ltd.
 - d. Antique Granito Ltd.
 - e. Asian Granito India Ltd.
 - f. Deco Light Ceramic Ltd.
 - g. Oracle Granito Ltd.
 - h. Gokul Ceramics Pvt. Ltd.
 - i. Regent Granito (India) Ltd.
- ix) Communications were sent to all the above named Domestic Producers seeking inputs on various issues related to the case. The responses received from them were considered and for the sake of this investigation all the above named producers constitute the Domestic Industry.
- x) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- xi) The Authority held a public hearing on 23.10.2007 and again on 7.12.2007 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry as well as those of responding producers and exporters. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from interested parties have been considered by Designated Authority in this disclosure;
- xii) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request.
- xiii) The views expressed by various interested parties in response to the initiation notification and subsequent to the public hearing are discussed in the relevant paragraphs to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered

and, wherever appropriate, dealt in relevant paragraphs. Comments made by various interested parties at the post disclosure stage have been taken into account and have been dealt at appropriate places in these findings.

xiv) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

B.1 General

4.1. It has been alleged by some interested parties that the Authority had already made up its mind before issuance of disclosure statement.

4.1.1. The purpose of the disclosure statement is to disclose to all interested parties the essential facts which would form the basis for the decision by the Authority. Authority has invited comments on the disclosure statement from various interested parties and the same have been taken into account in the present findings.

4.2. A number of interested parties have disputed the claims made by other parties with regard to confidentiality of information. Some interested parties have demanded disclosure of information relating to constructed normal value.

4.2.1. Rule 7(1) provides that the Designated Authority shall treat any information submitted on a confidential basis as confidential upon the Designated Authority being satisfied as to its confidentiality. Rule 7(1) also enjoins a duty on the Authority that if the Authority is satisfied about its confidentiality, such information shall not be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

4.2.2. Rule 7(2) states that the Authority "may" require the parties providing confidential information to furnish non-confidential summary thereof. It also provides that if such confidential information is not susceptible of summary, the interested party may submit a statement of reasons as to why summarization is not possible.

4.2.3. Rule 7(3) provides that if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or where the supplier of the information is unwilling to make the information public or authorize its disclosure in a generalized or summary form, the Authority may disregard the information.

4.2.4. In the light of the above, the Authority has examined the confidentiality claim of the interested parties and has taken guidance from the relevant provisions of WTO Anti dumping Agreement. Article 6.5 of WTO Agreement deals with two distinct categories of information, namely:

- Information which is by nature confidential; and
- Information which is provided on a confidential basis.

4.2.5. The information, which is by nature confidential, has been elaborated in the Agreement as (a) information, disclosure of which would be of significant competitive advantage to a

competitor; or (b) information, disclosure of which would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information.

4.2.6. The Authority notes that rule 7(1) states that information shall be treated as confidential "upon the Designated Authority being satisfied as to its confidentiality". The Authority has examined the confidentiality claims in this case. The Authority has permitted confidentiality on information such as costs, prices, customer's identities, ownership and shareholding pattern, annual reports, etc. and all information incidental thereto or resulting there from, wherever the same is not publicly disclosed by the interested party.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product involved in the original investigation was Vitrified / Porcelain Tiles. This being a Sunset review, therefore, the investigation covers the product covered in the original investigation.

6. The product under consideration in the present petition is "Unglazed tiles in polished or unpolished finish and Glazed Porcelain/Ceramic tiles both with less than 3% water absorption (commonly known as Vitrified Tiles/Porcelain tiles" (hereinafter referred to as subject goods). Vitrified/Porcelain tiles are Glazed and unglazed tiles and are used primarily for coverings for floors as well as on walls. These tiles are used in buildings, homes, restaurants, cinema halls, airports, swimming pools, railway stations etc.

7. Petitioners have claimed that all types of unglazed tiles are classified in chapter heading 69.07. However unglazed tiles are also being imported under Chapter heading 69.14, as other articles of porcelain. In addition, glazed porcelain tiles are being imported under Chapter heading 69.14 with various descriptions like G.P. Tiles, Porcelain Tiles, Gres Porcelanato Tiles, Porcelain Vitrified Tiles, etc. It has further been stated that the Glazed Porcelain Tiles, being imported under Chapter heading 69.14 are substitutable with the unglazed tiles of Chapter Heading 69.07 in terms of properties, use, functions, distribution, channels etc. Petitioners have further submitted that Glazed Porcelain Tiles are erroneously being classified under Chapter Heading 69.14 by many importers. These products are rightly classifiable under Chapter Heading 69.08 as Glazed Tiles. Therefore petitioners have requested that the investigations be conducted against the product under consideration irrespective of the classification under which they are being imported. Customs classifications are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

8. The domestic industry also produces Vitrified / Porcelain Tiles having similar characteristics and specifications. No argument has been extended, by any interested party, on the issue of product under consideration or like article and therefore, the Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry and the product being manufactured and exported from the subject country is like articles as per 2(d) of Anti Dumping Rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY

9. In the original investigation the application for anti-dumping investigation was filed by M/s. H & R Jhonson (India) Ltd, M/S Murudeshwar Ceramics Ltd. and M/S SPL Limited on behalf of the domestic industry. In the present sunset review the information/data has been

provided by nine manufacturers i.e. H & R Jhonson (India) Ltd., City Tiles Ltd., Restile Ceramics Ltd., Antique Granito Ltd., Asian Granito India Ltd., Deco Light Ceramic Ltd., Oracle Granito Ltd., Gokul Ceramics Pvt. Ltd. and Regent Granito (India) Ltd. These manufacturers taken together account for the production of a major proportion of the subject goods in India and therefore constitute Domestic Industry for the purpose of present investigation.

9.1. A number of interested parties have reiterated in their post disclosure submissions that the applicant companies did not constitute domestic industry, nor the petition satisfied standing requirements. It has also been argued that the injury to the domestic industry has not been determined in respect of "all Indian Producers". It has been claimed that the production of the participating companies does not constitute a major proportion in Indian production. It has been argued that there are about 21 producers in the organized sector commanding 55% of total production and remaining production is accounted for by producers in the unorganized sector. Only 9 companies in the organized sector have cooperated with the Authority.

9.2. The Authority notes that sunset review investigations are initiated under Section 9A (5) and Rule 23. Requirements for initiation of sunset review and fresh investigations are different. Requirement of standing, as prescribed under Rule 5 of the Rules are not mandatory in case of sunset review. On the contrary, the Hon'ble High Court has held that it is the duty of Designated Authority to carry out sunset review. Such being the case, the Authority does not find any merit in the arguments that the standing requirements were not met at the stage of initiation.

9.3. With regard to scope of the domestic industry, the Authority has found that the production of the participating companies constitutes "a major proportion" in Indian production. The participating companies constitute "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b). The Hon'ble Supreme Court has not held that the Designated Authority should terminate the investigations and not determine injury to the domestic industry in those situations where the information on injury to the domestic industry is available from domestic producers commanding less than 100% of domestic producers. The Authority had made reasonable efforts in procuring information with regard to 100% of domestic producers. However, information has not been provided by these other domestic producers. Authority considered whether any other information available with the Govt. of India (such as cost audit reports) could be useful. However, no such information could be used for the reason that the product is not covered under cost audit records. The information on record does not suggest that the performance of the domestic producers not included in the injury analysis could be different from the performance of the companies considered as "domestic industry". Under the circumstances, the Authority has concluded that the performance of the defined "domestic industry" is representative of the "domestic industry as a whole".

E. INITIATION OF THE REVIEW AND ARGUMENTS RAISED

E.1. Views of Applicant Domestic Industry

10. Domestic industry has submitted that despite anti-dumping duty on Vitrified / Porcelain Tiles, dumping has not ceased to exist from any of the sources on which anti dumping duties were imposed initially. It has been claimed that injury to the domestic industry has continued despite the imposition of anti dumping duties and has claimed it to be a clear case for enhancement of duties. It has been pleaded that if anti dumping duties are removed; the impact of dumping would be much more serious as the domestic industry would be forced to match the prices offered by exporters resulting in direct losses and injury to the domestic industry. It has

been alleged that exporters from the subject countries have also indulged in the dumping during the years prior to POI and it has further been claimed that there is no change in the pricing behaviors of the exporters.

11. In their submissions the domestic industry has sought the shelter under Annexure-II of the Anti Dumping Rules for determination of injury and it has been pleaded that it shall involve an objective examination of volume of dumped imports and its effect, both on the domestic prices as well as the domestic producers of the subject goods. Domestic Industry wants the authority to note that the situation has improved from their angle after the imposition of anti dumping duties thus substantiating the fact that anti dumping duties have been effective and there has been a positive impact on the DI though the impact is claimed not to be there to the desired extent, in view of the continued injurious dumping. On the volume front, the market share of the subject countries in respect of imports has been claimed to have increased from 51% in the base year i.e. 2003-04 to 89% during POI. It has further been claimed that the landed value of product under consideration from the subject countries is much lower than the prices the domestic industries ought to have realized on the sales of subject goods and the net sales realization of the domestic industries. It has further been pleaded that many of the petitioners are new players in the industry and hence the data for the previous year's not being available, a proper comparison of the domestic industry as a whole is not feasible and will lead to erroneous conclusion. Both productivity per employee as also employment and wages are claimed to have increased. Further profitability as well as return on investment and cash flow is stated to have improved and domestic industry is stated to have been able to recover the losses. On the profitability front it has been claimed that the domestic industry has not been able to realize the desirable selling price in spite of anti dumping duties being in place.

E.2. Views of the other interested parties

12. No other interested party from amongst the domestic producers / consumers submitted their response to the initiation. From amongst exporters M/s Al Khaleej Ceramics PSC, Dubai , RAK Ceramic, UAE, Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. Limited (and its related companies), Foshan Chancheng Jinyi Ceramics Co. Limited, Joyson Ceramic Material Co. Limited and Able Ace Malaysia, Guangdong Dongpeng Ceramic Co. Limited and Winto Ceramic Co. Ltd., Foshan Chancheng Oulian Construction Ceramics Co. Ltd. China (producer) and Prestige General Trading, Dubai (Exporter), Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd. China (Producer), Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd. China (Exporter in China) and Enerprise Trading FZE, UAE(Exporter in UAE) and Qing Yuan Southern Building Materials and Sanitary Wares Co. Ltd. (producer in China) and New Zhongyuan Import and Export Co. Ltd. of Guangdong (Exporter in China) submitted a response to the initiation. Apart from the response in the form of exporter's and market economy questionnaire, where ever required, no other specific issues were raised at this stage.

E.3. Examination by the Authority

13. On the issue of initiation of the investigation, the Authority holds that there is no ambiguity in so far as the initiation of the sunset review investigations are concerned, and after having received duly substantiated petition from the Domestic Industry, same has correctly been initiated within the Rules prescribed and Authority.

14. The Authority takes note of arguments put forth by the domestic industry regarding continued injury to the domestic industry and likelihood of recurrence of dumping and injury in case of withdrawal of the duties. These arguments have been taken into account while analyzing

the injury to the domestic industry as also threat of recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

F. Submissions made post - Public Hearing.

F.1. Views of Applicant Domestic Industry

15. Subsequent to the conclusion of public hearing, domestic industry has made following further submissions applicable as a whole to more or less all the responding exporters/producers

- i. Meaningful summary of the response to the manufacturers questionnaire, as provided under the Indian law have not been filed and questionnaire responses have been filed after the expiry of prescribed forty days from the date of notification.
- ii. Pricing behaviour of the exporters is likely to be manipulated in view of the expected sunset review
- iii. Rule 5 of Anti Dumping rules regarding concept of collective outputs of more than 50% does not apply in a sunset review.
- iv. Improvement of various injury factors, per se, is not directly relevant in a sunset review.
- v. Authority should examine likely behaviour of exporters/producers in case the duties are allowed to lapse.
- vi. Subject countries have been found to be dumping subject goods during POI and dumping margins have been very significant during POI as also prior to POI.
- vii. The subject exporters have been dumping the subject goods to other countries like Pakistan and authorities over there have determined significant dumping margins from subject countries.
- viii. Anti dumping duties in force in other jurisdictions is likely to lead to a large scale diversion of subject goods to India.
- ix. Information regarding capacities/demand/sales projections and likely prices in other markets have not been provided
- x. Philippines Government has imposed safeguard duty and Korea RP has imposed anti dumping duty on more or less the same exporters.
- xi. Exporters/producers have been supplying different information in different proceedings before authority in India and various other jurisdictions
- xii. Exporters/producers have suppressed facts about related parties in their response.
- xiii. Huge surplus capacities available in subject countries are likely to be diverted to India.

xiv. China is a non-market economy country and has been treated as such in the original investigations. The authority cannot grant any individual normal value in view of the interpretation resorted to by the authority in Reliance Industries case.

xv. On the issue of cumulative imports from China & UAE not being appropriate as the imports from UAE are less than 3% it has been contended that in the case of review Rule 11 has been applied only “mutatis mutandis” in terms of Rule 23 (3) of Anti Dumping Rules. It has been pleaded that while carrying out a likelihood test, neither the existence of dumping or injury during the review period is mandated as provisions relating to de minimus do not apply to review cases. It has further been stated that if the injury during the original investigation had been done on a cumulative basis, it is a sufficient reason to do the same in a review investigation as well. It has been contended that in any case actual dumping and injury during the period of review is of little consequence in a sunset review as the test is for future period only. On the issue of price effect it has been argued that paragraph (iv) of Annexure II of the Rules clearly lays down that the authority is required to evaluate the effect of dumped imports as a factor affecting the prices of the domestic industries.

xvi. The DI has pleaded that the present sunset review under Section 9 A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 has been supported by domestic producers accounting for more than 70% of the domestic production. They have claimed that, nevertheless, Rule 5 of the Anti-dumping Rules is not applicable to the sunset review and hence the concept of collective output more than 50% does not apply.

xvii. They have pleaded that the concept of injury in the original investigation and the sunset review investigation are different and distinct. While in the original investigation, the injury is required to be established before imposition of Anti-dumping duties, in a sunset review investigation, since the anti-dumping duties are already in existence, the ‘likely’ continuance or recurrence of injury has to be ascertained and the injury analysis has to focus on the future likely situation of the domestic industry if duties are allowed to expire.

xviii. With respect to dumping, they have submitted that all the subject countries have been found to be dumping the subject goods during the period of investigation and the dumping margins have been very significant. Their plea is that apart from significant dumping margin from all the subject countries, the dumping has not ceased to exist despite the Anti-dumping duties being in force. According to them, the exporters from the subject countries have also indulged in the dumping during the years prior to POI. These facts, according to DI establish beyond an iota of doubt that there is no change in the pricing behaviour of the exporters and they will continue to export at dumped prices once the duties are removed and the impact of the dumping would be much more serious and the domestic industry would be certainly injured.

xix. According to DI it is also important to note that the subject countries are dumping the subject goods not only in India but also in other countries such as Pakistan etc. and the Authorities in the said countries are stated to have determined the significant dumping margin from the subject countries suggesting a probability of continuance and recurrence of dumping once the duties are withdrawn. According to them, since exporter/producers from the subject Countries are currently faced with Anti-dumping Duties in other jurisdictions and that their export markets have been curtailed in such other countries,

there is a strong likelihood of large scale diversion of subject goods to India at dumped prices, in the event the Anti-dumping duties are withdrawn at this stage.

xx. It has been brought to the notice that, while Philippines have safeguard duties on vitrified tiles, Korea has imposed anti-dumping duties on vitrified tiles where more or less the same exporters are involved. Conduct of the exporters/producers from the subject countries has been questioned. It has been alleged that these producers / exporters have failed to supply material information and on the contrary, contradictory and different information in different proceedings before not only Authority in India but also in various other jurisdictions has been submitted. It has been alleged that it is strong indicator of their intentionally damaging and injurious behavioral pattern, and its unlikely redemption.

xxi. It has been alleged that the conduct of the exporters/producers is suspect and driven by predatory pricing pattern with the intent to dump the subject goods and cause injury to domestic industry.

xxii. Concluding their arguments it has been stated that, since response as filed in India ex-facie appears to be materially different from that urged before other jurisdictions, the exporters/producers be required to file before this Authority, their response and NCV of such response as filed in the tiles investigation carried out in Pakistan.

16. With regard to the response filed following issues pertaining to specific exporters/producers have been highlighted.

Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd.

i. Company is still operating old name 'Nanhai Shangyuan Construction Ceramic Company' though they have claimed to have changed to 'M/s Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd.' The company has a number of related companies operating either from the same address/building/having similar telephone nos./common employees in certain cases and the information to this effect has been concealed. Some of the related companies named for this purpose are Shangyuan Construction Ceramic Chief Factory, Shangyuan Construction Materials Factory, Loius Valentino Procellanto Co. Ltd., Shangyuan Oulvan Construction Ceramic Co. Ltd., Bally Ceramic Co. Ltd., Better Graph (Holdings) Co. Ltd., Eiffel Building Corporation Co. Ltd., Sanremo Ceramics Company, Vigorbroom Ceramics, Guangdong Sonpeng Ceramic Co. Ltd., Foshan Bally Ceramic Co. Ltd., Kingkong Building Material Co., China Ceramic City Import and Export Co. Ltd.,

Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd.

i. While in the new shipper application they claimed not to be related to any company, the information is at variance in the present SSR as they have claimed / admitted relationship with 20 companies.

ii. It is not clear whether these 20 related companies also include Quing Yuan Building materials and Sanitary wares Co. Ltd. And New Zhongyuan Ceramics import and export Co. Ltd.

Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd.

i. In the new shipper proceedings the exporter had claimed itself to be a private enterprise under the Chinese law whereas in the present proceedings it has been claimed to be a limited liability company. On the contrary they have also claimed to have undergone no change in the structure of the company since its inception

Joyson Ceramics Materials Co. Ltd.

i. They have suppressed information about their affiliation with M/s Foshan City Source Ceramics Ltd. and Source Latter Ceramics LTD. The exporter has misled the authority by making false statements about the nature of their business at a time of making the new shipper review application. The exporter is a manufacturer as per evidence attached with the new shipper review submissions.

M/s Qing Yuan Southern Building Materials and Sanitary Ware Co. Ltd.

i. The exporter in its original application dated 28.2.2003 seeking new shipper review claimed that it is not related to any company. Whereas in the present sunset review questionnaire response it has admitted that they are related to as many as twenty companies. Without filing of questionnaire response by related companies and without verification of their information and statements no conclusion can be drawn for this producer.

ii. Ownership details have completely changed from the ones that were provided during the new shipper review proceedings. In the new shipper proceedings it was stated that the company has Shareholders while in the sunset review response it has been stated that SBMS is 100% owned company A which is 100% owned by Company B and inter alia 100% by Company C which in turn 100% owned by Macao Passport Holder. Therefore providing this misleading information needs to be explained.

M/s New Zhongyuan Ceramics Import & Export Co. Ltd.

i. It has been admitted that the exporter company was set up in 1995 while this fact was suppressed from the authority while filing an application under new shipper review.

ii. It appears that it is a part of NZY Group which has admittedly twenty companies and the names of such twenty companies have been claimed confidential.

iii. It is not clear whether Heyuan Wanfang is also part of this Group of Twenty as the same is related to NZY.

17. In their rejoinder submission the domestic industry has further pleaded that in a sunset review even if conclusion is that there is no injury, the authority still under obligation to examine likelihood of injury if the duties were removed. The relevance of current injury has been claimed to be relevant only to the extent the same is a reasonable basis for concluding likelihood of continuation of recurrence of injury.

18. In respect of the exporters from UAE, who have claimed to be exporting to India at highest prices has been contradicted by stating that interested parties have not understood the legal concept of dumping as otherwise such submissions would not have been made. With regard to imports made on behalf of Jinyi Combination as reference to IBIS data it has been

pleaded that the said IBIS data has not been made available to the domestic industry. As far as responses from Chinese exporters are concerned it has been pleaded that complete information has not been provided by them and therefore market economic treatment status claimed by them is not sustainable. On the issue of not revisiting market economy status granted to certain Chinese producers/exporters in various new shipper reviews it has been pleaded that let over a period of time changes in a company may take place due to operations like joint ventures, mergers, acquisition etc., which might lead to a considerable change in the legal structure of the company and therefore this needs to be looked into afresh

F.2. Views of the Responding Exporters/Producers.

M/s Al Khaleej Ceramics PSC, Dubai

19. They have submitted that petition is not substantiated by positive evidence and allegations in the petition contradict the import statistics and share of import of subject countries to total production is claimed to be incorrect. To that extent the petition is claimed to have failed in the accuracy test. Although the petitioner has claimed as prices having declined over the injury period the fact of the matter is that prices from UAE have been increasing and have increased from Rs. 489 per sq. m. in 2003-04 to Rs. 655 per sq. m. in POI. In fact UAE prices are claimed to be twice a price from the rest of the world and thrice the Chinese prices. Further import volumes as per the petition itself from UAE have come down from under 5% in 2003-04 to less than 0.5% in POI. Further it has been claimed that allegation of dumping are primarily made against China and there is no allegation against UAE and individually UAE does not undercut or undersell. It has been pleaded that in the likelihood analysis made by the Domestic Industry allegation is exclusively against China and not even a passing reference has been made to UAE and even *prima facie* evidence of likelihood of recurrence of dumping from UAE has not been furnished. In their submissions they stated that UAE has only two producers exporters out of which RAK has already set up an Indian subsidiary with an installed capacity of 20,000 sq. m. per day and their expansion plans are to set up a capacity of 1,00,000 sq. m. per day. Apart from RAK it is claimed that another unit Al Khaleej Ceramics is smaller player operating in more than 100% capacity and maintains highest price. It has further been pleaded that UAE is not facing anti dumping duties elsewhere that could have become a reason for UAE exporters diverting their manufactured subject goods to India. They have, therefore, requested that UAE may be excluded from the purview of the sunset review.

RAK Ceramic, UAE

20. According to their submissions Domestic Industry has not made any comment with regard to the information and documents submitted by RAK in accordance with Exporters Questionnaire to the Designated Authority; thus indicating that the Domestic Industry has no specific allegation against RAK and also with regard to its submissions and therefore they are making their submissions as Rejoinder to the Written Submissions only on the general submissions of the Domestic Industry for the subject countries.

21. With regard to the likelihood of recurrence or continuance of dumping and injury to the Domestic Industry after the cessation/discontinuance of anti dumping duty against the UAE, they have submitted that :

- i. Based on the import data with regards to the import of the subject goods from UAE it is clear and apparent that the volume of exports from UAE are decreasing and export price is rising significantly every year. Further it has also been stated that after the

completion of the original anti dumping investigation, RAK has already established its own subsidiary company in India to produce the subject goods at its plant at Hyderabad with an installed capacity of 20,000 sq. mts. per day and the same is going to be increased to 30,000 sq.mts. Per day. Moreover, RAK is also stated to be in the process of setting up an additional production unit in Gujarat with an installed capacity of 20,000 sq. mts. per day.

- ii. Considering the facts and circumstances with regard to trend of volume of exports from UAE, its export prices, capacities being installed by RAK in India, its future expansion plans in India and share of RAK in the imports of subject goods into India, there is no likelihood of recurrence or continuation of dumping from UAE and consequent injury to the Domestic Industry on account of imports from UAE.
- iii. There are no surplus capacities in UAE for dumping into India, rather RAK is creating additional capacities in India.
- iv. The producers/exporters of the subject goods in UAE are not facing anti dumping investigations anywhere in the world except India.

22. They have finally requested that designated authority terminate the sunset review against UAE.

Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. Limited(and its related companies), Foshan Chancheng Jinyi Ceramics Co. Limited, Joyson Ceramic Material Co. Limited and Able Ace Malaysia.

23. Above said producers/exporters in their written submissions have questioned the claim put forth by the domestic industry that the review is supported by more than 70% of the domestic production as no information on this account has been furnished. It has been pleaded that petitioner has interchangeably used recurrence and continuation. They have contended the claim of the domestic industry that the rules require a mere opinion and not a categorical positive finding. The basis of assumption by the domestic industry that a significant volume of as high as 50 lakh sq. m. would have been sold in the relevant period at fictitious prices keeping in view the sunset review has been questioned. The claim of the domestic industry that analysis in a sunset review is of lesser degree or on different parameters has also been questioned. The claim of dumping has been negated on the ground that authority has granted market economy treatment to a number of Chinese companies and primarily only those Chinese companies are making exports to India.

Guangdong Dongpeng Ceramic Co. Limited and Gungdong Winto Ceramic Co. Ltd.

24. In the first place they have contradicted the petitioners' claim of constituting either the domestic industry or accounting for more than 50% of the total collective output and thus challenging the claim of the petitioners to have standing for the purposes of filing the SSR petitions. It has been claimed that while conducting a SSR investigation the Authority has to first determine whether there has been any change in various parameters such as the normal value, export price, dumping margin, fixation of non-injurious price and injury to domestic industry etc., and analyse and project the effect of repeal or expiry of anti-dumping measures thereafter

Foshan Chancheng Oulian Construction Ceramics Co. Ltd. China (producer) and Prestige General Trading, Dubai (Exporter), Heyuan Wanfeng Ceramics Co. Ltd. China (Producer), Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd. China (Exporter in China) and Enterprise Trading FZE, UAE(Exporter in UAE) and Qing Yuan Southern Building Materials and Sanitary Wares Co. Ltd. (producer in China) and New Zhongyuan Import and Export Co. Ltd. of Guangdong (Exporter in China)

25. It has been argued that the claim of domestic industry that price behaviour of exporters during the POI for a sunset review is likely to be manipulated and suspect and untrustworthy is an unwarranted presumption as the law does not provide for any such presumptive rejection of the prices of the exporter. It has further been pleaded that improvement in various injury parameters is a clear indicator of whether any injury is likely to continue or likely to recur and therefore argument of recurrence is entirely frivolous and liable to be rejected. On the issue of investigations in other jurisdictions, it has been submitted that product under investigation is Pakistan was quite different from that covered by India. Pakistan covered 'ceramic tiles' while India covered only 'vitrified/porcelain tiles' only. None of the exporters filing this rejoinder participated fully with Pakistani authorities to get an individual dumping margin. and Pakistani decision is not relevant for the Indian investigation. Regarding Philippines having safeguarded duties on vitrified tiles has been contested. As per the report issued by the Philippines it is claimed that the product concerned is 'Ceramic Floor and Wall Tiles' and not vitrified tiles. Further the claim that Korea has imposed anti dumping duties on vitrified tiles where more or less the same exporters are involved has been contested. They have pleaded that the period of investigation was different and product range also did not remain the same.

26. With regard to the claim of the domestic industry that submissions of Foshan Chancheng Oulian Construction Ceramic Co. Ltd. are dishonest and misleading following has been pleaded:-

- i. Authority issued final findings on 30th June 2004 at the end of the new shipper review recommending exempting levy of anti dumping duty on the imports from Oulian.
- ii. Ministry of Finance issued the necessary notification on 28th July 2004.
- iii. Domestic Industry challenged the findings and the MOF notification before the CESTAT (Appeal No. C/79/2005-AD).
- iv. CESTAT set aside the final findings and the MOF notification and remanded the matter back to the authority on 19th May 2005.
- v. On remand, the authority confirmed on 30th December 2005 its earlier findings.
- vi. Immediately upon CESTAT setting aside the MOF notification, Ministry of Finance did not implement the same by issuing another notification rescinding the earlier notification.
- vii. Thus, MOF notification exempting anti dumping duty on imports from Oulian continued to be in force.

viii. Because of such continuance, there was no need for the Ministry of Finance to issue a fresh notification consequent upon the fresh final findings issued pursuant to the remand order.

ix. The importer in India presented these facts before the CESTAT in a customs case and the CESTAT on 8th January 2007 found it appropriate to grant a stay in the said case.

27. Further, Various allegations made by the domestic industry particularly with regard to Information about related companies considered in the NSR and the remand proceedings have been rebutted as follows.

28. Domestic industry has reproduced verbatim their submissions made in the NSR remand proceedings held pursuant to the CESTAT decision. Those submissions had been dealt with by the authority in the final findings of the NSR. There is no warrant to revisit those issues in this sunset review. Domestic industry has stated that the recommendations contained in the final findings have not been accepted by the Central Government by way of issue of customs notification. They allege that since the recommendations were not accepted, the conclusions reached therein cannot be said to be final. This inference is incorrect.

29. Central Government had already issued the customs notification implementing the recommendations of the designated authority. Subsequent to the remand order by the CESTAT, central government did not rescind the earlier notification. The said notification was in force. In the remand proceedings, the authority had confirmed its earlier findings. Pursuant to the findings in the remand proceedings, no antidumping duty was leviable on the imports from this responding exporter. Since the earlier notification itself was in force, there was no need for issuing yet another notification. Therefore, the contention that the findings of the authority were not final is untenable.

30. They have further re-iterated their submissions in the remand proceedings and concluded their submissions as under:

i. As admitted by the domestic industry itself, the above submissions have been considered by the authority in the earlier proceedings and thereafter, a decision to grant zero dumping margins in the new shipper review case was granted to our company.

ii. They have confirmed that they are not related to Kingkong Building Material Co Ltd who has filed the questionnaire response. The submission made by the domestic industry is stated to be without any basis as no fresh disclosures have been made in this sunset review about related companies.

a. A new company in the name of Bally Ceramic Co Ltd is stated to have been started in 2004 by one of the shareholders of the responding company and the business licence stated to have been surrendered after a brief period in 2004 itself.

b. They have contested the allegations made by the domestic industry that they have made any contradictory submissions.

c. In their submissions it has been re-iterated that Better Group (Holding) Co Ltd is an investment company. Though the business registration certificate shows the nature of business as 'Trade and investment', the trading operations are carried out by other entities in the group. As stated in the questionnaire response, China Ceramic City Import and Export Co Ltd is a company registered in HongKong and not in China. They have referred to Question No.A 5 of the Exporters' Questionnaire asking for information about related companies that are involved with the 'product concerned'. And since no related company is involved with the product concerned and hence there is no need to give any answer to this question. They have stated that allegation that they have suppressed information about the related companies is unfounded and unwarranted.

d. Concluding their submissions they have submitted that it is undisputed that the Designated Authority has recommended zero antidumping duty so far as they are concerned in the first final findings at the end of the new shipper review and also in the final findings issued after remand. Hence the question of levying any antidumping duty by Ministry of Finance does not arise. They have further submitted that issues raised by the domestic industry have no relevance whatsoever for this sunset review.

F.3. Examination by the Authority

31. The Authority takes note of arguments put forth by the domestic industry regarding continued injury to the domestic industry and likelihood of recurrence of dumping and injury in case of withdrawal of the duties, other arguments related to the review as also arguments to the contrary put forth by responding producers / exporters from the subject countries. The Authority also takes note of various submissions made by the domestic industry about delay in submission of the response by various producers / exporters and concludes that the domestic industry has no locus standii on raising this issue, particularly when the Domestic Industry itself did not adhere to the time schedule prescribed for submission of information relating to production cost etc. because of which the Authority was forced to call an early public hearing to actually understand whether the domestic Industry was actually interested in pursuing the investigation. Authority further holds that it was only at this stage that the domestic industry came up with detailed information in the form of C1 and CII etc and case could be investigated further.

32. On the issue of allegation that the responding exporters had concealed the facts about similar investigations having been initiated in other countries, the Authority concludes that the investigations in Pakistan and Philippines were against Ceramic Tiles as a whole and were not restricted to Vitrified tiles, the product under consideration the present investigation. Therefore those investigations cannot be considered as relevant to the present investigation.

33. On the issue of different submissions having been made by responding producers / exporters made before various authorities in other countries, Authority concludes that no conclusive evidence has been provided by the domestic industry on these issues for the Authority to take a view on the same and the Authority has no reason not to accept the rebuttal given by the responding exporters, as detailed above in this disclosure statement. Further with regard to concealment of facts about relationship, the submissions made by the responding exporter are sufficient for the Authority to conclude that these issues are a repeat of their submissions made in the new-shipper review, the Authority having addressed these issues in the NSR findings, concludes that these issues need not be taken note of once more and need not be re-visited. Authority further holds that on the issue of relationship with companies, not into manufacturing of the subject goods, the response to Question No. A 5 of the Exporters'

Questionnaire is perfectly in order as put forth by the responding exporter. The Authority further holds that in case any of the interested parties comes up with any allegation against any of the other interested parties; the Authority will take note of the same only if the same is substantiated by accompanied documentary evidence and a mere reference to website address will not be treated as sufficient evidence for the Authority to take note of the same..

34. Authority has taken into consideration all other arguments, both from Domestic Industry and the responding exporters / producers as detailed account while analyzing the injury to the domestic industry as also threat of recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

G. Dumping Determination: Normal Value, Export Price and Dumping Margin

35. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). None of the producers/exporters from Taiwan and Japan have filed any response to the questionnaire.

36. As per Para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the Authority is required to determine normal value on the basis of ‘price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.’ No data or information was made available by the domestic industry about normal value in market economy third country. Exporters/Producers have also not responded in this case. The Authority, therefore, in absence of any other option, has relied upon the fact available as per Rule 6(8).

G.1. Examination of Response to Market Economy Treatment Questionnaire

G1.1. China PR.

37. The Designated Authority, as per Para 8 (2) of the annexure 1 of Anti-Dumping Rules, for the purpose of assessing the normal value, proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR was proposed to be investigated as a non-market economy country.

38. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals, reflecting supply and demand, and without

significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

39. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. Following Producers / Exporters have responded to the Market Economy Questionnaire re-butting non-market economy status in each of their individual capacity and on the contrary claiming Market Economy Treatment for the purposes of this sun-set review.

1. Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd.
2. Foshan Haohang Ceramic Co. Ltd. (FHC)
3. Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd.
4. Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd.
5. Foshan Huachengechang Ceramic Co. Ltd. (HCC) and Guangdong
6. Dongpeng Ceramic Co. Ltd. (DCC)
7. Foshan Chancheng Yinyi Ceramics Ltd.
8. Joyson Ceramics Materials Co. Ltd.
9. M/s Saint Louis Ceramic Co. Ltd.
10. M/s Kingkong Building Material Company Ltd.
11. M/s Qing Yuan Southern Building Materials and Sanitary Ware Co. Ltd.
12. M/s New Zhongyuan Ceramics Import & Export Co. Ltd.
13. M/s Guandong Winto Ceramics Co.Ltd.
14. M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. limited ,comprising of M/S Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/S Foshan Summit Ceramic Company Limited (Producers) and M/S Foshan Newpearl Trade Co. Ltd.(Exporter)

40. Treatment as a Market / Non-market economy to each of these responding producers / exporters is discussed as per details enumerated below:

G.1.1.1.Examination of market economy treatment of these Chinese exporters investigated earlier

41. The Authority notes that the following companies have been examined in detail vide notification details mentioned below -

SN	Final Notification No. & date	Fidings Name of the companies
1.	15/2/2003-DGAD Dated 30.12.2005	Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd.(producer)and Prestige General Trading,Dubai (Exporter)
2.	15/19/2004-DGAD	Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd.(producer), Foshan Lungo

		Ceramics Co. Ltd. (Exporter in China) and Enterprise Trading FZE, UAE (Exporter in UAE)
3.	15/15/2004-DGAD	M/s Qing Yuan Southern Building Materials and Sanitary Ware Co. Ltd (producer in China) and New Zhongyuan Ceramics Import & Export Co. Ltd of Guangdong (Exporter in China)
4.	15/3/2005-DGAD Dated October 3, 2007	M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. limited comprising of M/S Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/S Foshan Summit Ceramic Company Limited (Producers) and M/S Foshan Newpearl Trade Co. Ltd.(Exporter)

42. Based on detailed investigations done by the Authority, it was concluded for the above mentioned companies that these companies were entitled for market economy treatment. The petitioners had opportunity to rebut the determination made by the Authority in the present investigations as also before CESTAT. The petitioners have however not challenged the determination earlier made by the Authority based on justifiable reasons. Petitioners alleged false claims having been made by some of these responding exporters. The claim was examined in detail, in particular with regard to the alleged concealment of facts about relationship of these responding exporters with some other companies. The Authority notes that these very allegations were made by the domestic industry in the new shipper Review, as above and the Authority had given a detailed justification on each of these issues raised by the domestic industry. In the submissions made in the present sun set review, the same issues have been highlighted once more and no new facts supported by material documentary evidence have been brought to the notice of the Authority. Barring this, the petitioners have not provided any cogent reason, justifying re-determination of market economy treatment claims for the above mentioned companies. The Authority therefore does not deem it necessary to re-visit the issue and has not reinvestigated the determination earlier made and proposes to grant market economy treatment to these companies for the purposes of present review.

43. Notwithstanding the above stand, in respect of Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd.(producer), Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd. (Exporter in China) and Enterprise Trading FZE, UAE (Exporter in UAE), the Authority holds that impact of final Judgment of Hon'ble High Court, once pronounced, shall be applicable to this case in the event of such judgment questioning the market economy treatment already granted to this producer / exporter combination. Till such time, the present findings for this producer/ exporter combination as detailed in the subsequent paragraphs here in after shall remain applicable

44. Authority also notes that during the course of present SSR investigations, New Shipper Review investigations were conducted based upon a petition filed by the following producers/exporters.

1. M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan, China PR, also known as Bioma Ceramics (producer)
2. M/s Shye International Ltd, Hong Kong(Exporter)

45. Authority notes that although investigations in the said new-shipper review have been completed, the final findings in this new-shipper review have not been issued because of the interim order on issue of the same by the Hon'ble High Court of Delhi.

46. In view of the interim order of the Hon'ble High Court in this NSR and in view of the fact that so far as above said exporter / producer combination have not made sales to India during POI, but have exported subject goods to India in post POI period, Authority having taken the submissions on record, and holds this combination as a cooperating exporter. The Authority further holds that operation of the said order of the Authority in this NSR shall remain subject to the final judgment by the Hon'ble Delhi High Court, and shall be equally applicable to the present SSR.

47. Authority also notes that during the course of present SSR investigations, New Shipper Review investigations were also conducted based upon a petition filed by the following producers/exporters.

1. M/S Foshan Chan Cheng Jin Yi Ceramic Co. Ltd., China (Producer)
2. M/S Foshan Jayson Ceramic Material Company Ltd., China (Exporter)
3. And M/S Able Ace (M) Sdn. Bhd. Malaysia, (Exporter)

48. The Authority issued final findings in this new shipper review vide Final Findings Notification No. 15/14/2006-DGAD dated March 28, 2008. In these final findings, these producers/ exporters have been treated as operating under market economy conditions and have been given as Market economy treatment. Therefore the Authority holds to continue market economy treatment to these producers/ exporters for the purpose of present investigation.

G.1.1.2. Examination of market economy treatment of these Chinese exporters not earlier investigated

49. Response to questionnaire was filed by the following exporters/producers from China, who were not investigated by the Authority before with regard to their entitlement of market economy treatment. The Authority has therefore investigated market economy treatment claims of these companies in detail. Detailed on the spot verifications were also conducted to verify the claim of market economy treatment by these companies.

1. M/S Foshan Huanshengchang Ceramic CO.Ltd. (HCC) (Producer) and related Company Guandong Dongpeng Ceramic C0. Ltd .(DCC)(Exporter),
2. Guandong Winto Ceramic Co. Ltd..

50. Detailed questions regarding ownership, management, control, determination of commercial and business policies and on financial situation etc. were addressed to these companies. The responses filed by these companies were analyzed to determine whether these companies exercised a degree of independence from the Chinese Government comparable to what would prevail in a market economy country. The Authority sought general and certain specific information with regard to the following parameters from each of the companies concerned:-

- Ownership details
- Shareholding patterns
- Information on promoter/holding company/companies
- Constituents of Board of Directors, their legal status and person/party being represented by them.

- Raw Material Inputs and Costs
- the existence or otherwise of any minimum wage stipulation by the State and if the enterprises are free to decide wages as per market demand.
- Production Facilities and Costs
- Loans and subsidies
- Barter Trade/ Counter Trade
- Profit Distribution
- Bankruptcy and property laws
- Exchange rates conversions

51. In order to examine whether there was any degree of State influence or interference over the allocation of resources and decisions of the applicant, whether directly or indirectly, the ownership pattern of these companies petitioner was examined in detail. The claims/ counter claims of the interested parties were taken into account and details in this respect were verified. The Authority examined the composition of Board of Directors of these companies, including their related companies, identity of each person in the Board, their functions, other position held by these persons etc. to determine whether there was any interference or involvement of the State in the management and working of the companies. The Authority relied upon the relevant provisions relating to constitution of Board of Directors, Board of Supervision, General Manager, their functions & powers, appointment & dismissal, autonomy of the company in matters of appointment etc and the role which State or State owned/controlled persons/bodies plays, if any, in such companies whether directly or indirectly. That apart, details about procurement / purchase of machinery/equipment, land, building and all other assets were assessed during spot verification.

52. The above named companies, as detailed in Para 49 above, were however not found to meet the requirement for grant of market economy status based upon the verification carried out by a team of officers on account of the following reasons:

**M/S Foshan Huanshengchang Ceramic CO.Ltd. (HCC) (Producer) and related Company
Guandong Dongpeng Ceramic C0. Ltd ,(DCC)(Exporter),**

- i. As per Business license, Shiwan Dongpeng Ceramics Group Co. Ltd. was established on 11th November 1997 with a very high registered capital registered capital as Limited Liability Company. However the market value of equipments was transferred only at 70% of the said market value.. Similarly, the market value of various cars was transferred at RMB just 4% of the market value of the same.
- ii. Since June 2000, the shareholding was transferred by collectively owned Enterprise to individuals, but the representatives of the company showed their inability to trace the source of funding.
- iii. Regarding bidding process followed during 2000, no documentary related to bidding process followed could be presented.
- iv. As per asset valuation report of CPA, valuation amount was only 56% of the Net assets book value after adjustments.

Guangdong Winto Ceramics Co. Ltd.(producer as well as exporter)

- i. The company was established on March 3, 1999 as a limited liability company but the business license of 1999 was not available with the company.
- ii. Regarding the land and building were stated to be taken of rent and lease with effect from November 1. 1998 from Foshan Ceramic Industry and Trade Group Company which inter-alia is stated to have procured the same from Huada Company as per lease contract copy annexed to the MET response. As per the

Business license (Photocopy produced during verification) which was issued on 18.8.2006, Foshan Ceramic Industry and Trade Group Company Ltd. were established during 1987. The legal status of this company during 1987 could not be explained. Further there was no explanation as to when the Huada's Dormitory was built.

- iii. As per the fixed assets, Ceramic Roller Kiln (10 Nos.) were stated to be self built assets and installed on 31.12.2005 whereas the company was in production of tiles since 2000. Company could not clarify as to how they were manufacturing tiles without a kiln the year 2000 to 2005.
- iv. Nearly 34% of the total assets were stated to be self built but the details and break up into its various components could not be provided for verification.

53. Therefore the Authority holds these producers / exporters to be operating under non-market economy conditions.

54. That apart Questionnaire response was also filed by the below named producers / exporters

1. Foshan Haohang Ceramic Co. Ltd. (FHC), China.
2. Foshan Hongyun Trade Co. Ltd., China.
3. Saint Louis ceramic Co. Ltd., China.
4. Kingkong building Material Co. Ltd., China.

55. The Authority notes that the above named producers/exporters had shown their intention to co-operate with the Authority for the purposes of present investigation and had also sent a written consent for verification to be carried by DGAD in respect of the submissions made by them. However, the team of officers who were deputed to carry out verification of these producers / exporters was informed in writing that these producers/ exporters have withdrawn the consent of verification given earlier. Therefore the verification of these producers/ exporters could not be carried out. The Authority therefore declares these producers/exporters as detailed in Para 54 above as non-cooperating exporters for the purposes of the present investigation.

G.1.1.3. Normal value in case of companies satisfying market economy status

56. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- i. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –
 - a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

b. the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

57. The normal value in respect of companies who have been granted/ are being granted market economy treatment / have been determined on the basis of their verified questionnaire response. The Authority has adopted following methodology for determination of normal value in respect of these companies –

i. The Authority first verified whether these companies had sufficient domestic sales in the ordinary course of trade. In those cases where profitable domestic sales were more than 80% of total domestic sales, normal value has been determined based on weighted average of the selling price in the domestic market. In those cases where profitable sales were below 80% of total domestic sales, only profitable domestic sales have been adopted for determination of normal value by the Authority. The Authority has done separate comparison of normal value with export price in respect of different types of the subject goods. Price adjustments have been claimed in respect of inland freight, commission where ever applicable, which the Authority has verified and allowed on the basis of verified claims.

ii. In those cases where the exporter did not have sufficient domestic sales, verified cost of production of the exporter, along with reasonable addition for selling, general & administrative costs have been adopted by the Authority. Reasonable profit has been added to such cost of production to determine normal value.

G.1.1.4.Normal value in case of companies not satisfying market economy status

58. For those Chinese producers/exporters who have not been able to satisfy the parameters laid down under Para 8 of Annexure-I, the Authority has determined the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I. Normal value for these companies has been determined on the basis of adopting weighted average consumption norms for Raw Materials in respect of all the cooperating producers in China whose verification was carried out and adopting international prices for raw materials and conversion cost in India, duly adjusted, Selling, general & administrative costs. Normal value thus worked out by the Authority is *** as against *** claimed by the domestic industry in their petition.

G.1.1.5.Normal value in case of non cooperative exporters/producers

59. In respect of non-cooperating producers / exporters, the Authority is unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 of antidumping Rules for determination of normal value for the Chinese exporters. Therefore, the normal value in respect of all non-cooperating exporters/producers from China PR has been determined at the same level as that of cooperative exporters from China not satisfying market economy status.

G.1.1.6.Export price in case of responding exporters

60. For all those exporters/producers that have cooperated with the Authority, and provided relevant information based upon exports to India, the Authority has determined export price on the basis of verified information. Export price for each responding exporter has been determined, separately, on the basis of weighted average import price in India during the investigation period, by the Authority.

61. In respect of cooperating exporters viz. M/S Foshan Huanshengchang Ceramic CO.Ltd. (HCC) (Producer) and related Company Guandong Dongpeng Ceramic C0. Ltd .(DCC)(Exporter) and Guangdong Winto Ceramic Co. Ltd. who had declared to have exported the subject goods to India during POI, but were actually found to have exported Ceramic Tiles and not vitrified Tiles (PUC) during verification, and had exported the subject goods to third countries, the likelihood of either continuation or recurrence of dumping cannot be determined based upon the sales to third countries. The Authority notes that in the context of anti dumping rules, likelihood of continuance or reoccurrence is for determination of individual dumping margins and is applicable to only such exporters who have been exporting the subject goods to India. Since these exporters have not exported subject goods to India, individual dumping margins cannot be determined based upon exports to third countries. To that extent the Authority holds that export price for determination of dumping margin in respect of these producers / exporters will be the same as is applicable to the residual category of non-cooperating exporters.

G.1.1.7.Export price in case of non cooperative exporters

62. The Authority notes that the total import volumes as per petitioners and as per trade data available as per DGCI&S are lower than total exports reported by the Data Source EXIM. Further the assumption is on likelihood of dumping from such exporters who may not have been exporting to India and on the contrary may be having substantial sales to third countries and likelihood of these new exporters to export the subject goods to India at prices at lowest sale price of export to third countries and thus sell them to Indian markets at dumped prices.. Therefore, the Authority has determined the export price for the non cooperative exporters on the basis of lowest average export price reported by the cooperative exporters, selling the product under consideration to the third countries. The Authority has made Price adjustments on account of ocean freight, port expenses, and marine insurance, and inland freight, credit cost, packing expenses and non-refundable VAT as incurred by these exporters based upon the actual verified data.

G.1.1.8.Comparison methodology

63. The Authority has compared normal value with export price separately for each type of subject goods. In the absence of any claims by the petitioners, the Authority considered the parameters used by each of the responding exporters for distinguishing between different types and found the same appropriate in respect of each of these exporters. Accordingly, the Authority has done comparison between the normal value and export price separately for each known type.

G.1.1.9.Dumping margin

64. Considering the normal value and export price determined as explained above, the Authority has determined the dumping margins for individual exporters, which are as follows.

G.2.1. Exporters accorded Market Economy Treatment:

S.NO.	Name Of the Producer/Exporter	*Normal Value (INR)	*Net Export Price (INR)	*Dumping Margin (INR)	Dumping Margin %
1.	Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd.(producer)and Prestige General Trading,Dubai (Exporter)	***	***	***	<u>Negative</u>
2.	Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd.(producer), Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd. (Exporter in Cina) and Enterprise Trading FZE, UAE (Exporter in UAE)	***	***	***	Nil
3.	M/s Southern Building Materials and Sanitary Ware Co. Ltd of Qinguyan City (producer in China) and New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co. Ltd of Guangdong (Exporter in China)	***	***	***	<u>Negative</u>
4.	M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. limited comprising of M/S Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/S Foshan Summit Ceramic Company Limited (Producers) and M/S Foshan Newpearl Trade Co. Ltd.(Exporter)	***	***	***	<u>Negative</u>
5.	M/S Foshan Chan Cheng Jin Y Ceramic Co. Ltd., China (Producer M/S Foshan Jayson Ceramic Materia Company Ltd.,China (Exporter)andM/S Able Ace (M) Sdn. Bdh Malaysia,(Exporter)	***	***	***	<u>Negative</u>

G.1.1.10. Exporters accorded Non-Market Economy Treatment:

S.NO.	Name Of the Producer/Exporter	*Constructed Normal Value (INR)	*Net Export Price (INR)	*Dumping Margin (INR)	Dumping Margin %

1.	M/S Foshan Huanshengchang Ceramic CO.Ltd. (HCC) (Producer) and related Company Guandong Dongpeng Ceramic Co. Ltd. (DCC)(Exporter),	***	***	***	150-200%
2.	Guangdong Winto Ceramic Co. Ltd..	***	***	***	150-200%
3.	All other producers / exporters from China PR	***	***	***	150-200%

*Note Conversion table for currencies during POI

1 US \$ = Indian Rupees 45.67 and 1 US \$= RMB

64.1. In response to the disclosure statement, the producers /exporters as detailed at Sl. 1 and 2 in the above table have reiterated their claim for market economy treatment. The exporters have reiterated that the goods exported by them were vitrified tiles. The exporters have claimed that failure to provide bill of entry filed by the importer should not be held against the exporter to conclude that the goods involved were not vitrified tiles. It has further been submitted that in any case, if the Authority considers that the exporter has not exported vitrified tiles to India during the relevant period, the dumping margin for the exporter should be determined based on its exports to other countries.

64.2. The Authority has examined the views of the exporters. Authority holds that correct establishment of the product exported to India is the starting point in determination of dumping margin. In a situation where the product was attracting anti dumping duty in excess US \$ 8 per SQM and where the selling price of the domestic industry were in the region of *****, CIF import price of other exporters from China ranged between ***** to ***** , an issue that is germane to entire investigation is whether at all the goods exported by the company were vitrified tiles. If the goods exported were not vitrified tiles, question of determination of individual dumping margin cannot arise. The exporters made a claim of having exported vitrified tiles and the entire investigation with regard to the company proceeded on this basis until at the stage of on the spot verification. It is also relevant to note that the exporters at no point in time during the course of the investigations claimed or admitted that the goods exported by them were ceramic tiles and dumping margin could be determined on the basis of third country sales. In fact, the exporters have all along claimed, even after the verification, that the goods involved were vitrified tiles. At the time of spot verification, therefore, the exporters were directed to establish that the goods exported were indeed vitrified tiles. The exporter was found to be producing and selling significant volumes of both ceramics and vitrified tiles. While the Authority appreciates that it may not be feasible for the exporters in general to provide bills of entries filed by the importers, it cannot certainly be a situation where the exporter cannot establish that the goods exported were vitrified tiles. Further, it does not appear reasonable that in the product of this nature, that it is impossible for the exporter to obtain bills of entries from the importer and provide the same to the Designated Authority. The Authority also notes in this regard that it is not for the Authority to prescribe documents or evidence in this regard. It is for the exporter to consider what document in its possession would establish that the goods exported were indeed vitrified tiles. The exporter has however, failed to establish that the goods exported were vitrified tiles.

64.3. As regards consideration of exports to third countries as a reasonable basis for determination of dumping margin, the Authority notes that entire investigations until the stage of on the spot verification proceeded on the basis of the claim that the goods exported were vitrified tiles. Even at the time of spot verification, when it was pointed out by the Officers that sufficient documentary evidence was not provided that the goods exported were indeed vitrified tiles, the exporter did not modify its position and did not make a request for consideration of third country sales. On the contrary, the exporter made assurance that efforts would be made to inconclusively establish that the goods exported were indeed vitrified tiles. Even after completion of the verification and until issuance of the disclosure statement, the exporter has not eventually admitted that the goods exported were not vitrified tiles. Under the circumstances, it is noted that the information on record now does not permit determination of dumping margin on the basis of exports to third countries. It is also relevant to point out that it is not a situation where the exporter has admitted having exported ceramics tiles. It is a situation where the Authority finds that the exporter has failed to establish that the goods exported were vitrified tiles.

G.2. United Arab Emirates

65. The Authority has taken note of the submissions made by such exporters from UAE who have been exporting the product under consideration manufactured in that country. They have claimed that prices from UAE have been increasing and have increased from Rs. *** per sq. m. in 2003-04 to Rs*** per sq. m. in POI. In fact UAE prices are claimed to be twice a price from the rest of the world and thrice the Chinese prices. They have further claimed that import volumes as per the petition itself from UAE have come down from under 5% in 2003-04 to less than 0.5% in POI. Further it has been claimed that allegation of dumping are primarily made against China and there is no allegation against UAE and individually UAE does not undercut or undersell. It has been pleaded that in the likelihood analysis made by the Domestic Industry allegation is exclusively against China and not even a passing reference has been made to UAE and even *prima facie* evidence of likelihood of recurrence of dumping from UAE has not been furnished. In their submissions they stated that UAE has only two producers exporters out of which RAK has already set up an Indian subsidiary with an installed capacity of 20,000 sq. m. per day and their expansion plans are to set up a capacity of 1,00,000 sq. m. per day. Apart from RAK it is claimed that another unit Al Khaleej Ceramics is smaller player operating in more than 100% capacity and maintains highest price. It has further been pleaded that UAE is not facing anti dumping duties elsewhere that could have become a reason for UAE exporters diverting their manufactured subject goods to India. They have, therefore, requested that UAE may be excluded from the purview of the sunset review.

66. The Authority has also taken note of the submissions dated February 7, 2008, made by domestic industry thru their legal representatives APJ-SLG Law Offices confirming that from import statistics, it is primarily imports from China which continue to cause injury to the Domestic Industry. They have also confirmed that imports from UAE are at much higher prices and may not really be the cause of continued injury to the domestic industry.

67. In view of the common stand taken by the domestic industry as well as responding exporters from UAE that export prices from that country are high, the Authority therefore concludes that no dumping is taking place in respect of exports to India from UAE. The Authority also concludes that in view of setting up of huge manufacturing capacities in India by these very UAE exporters, there is no scope for likelihood of dumping in future.

H. Injury determination

H.1. Continuation of injury

H.1.1. Views of the Domestic Industry

67. The authority has considered the submissions of the Domestic industry that despite anti-dumping duty on Vitrified / Porcelain Tiles, dumping has not ceased to exist from any of the sources on which anti dumping duties were imposed initially. Their submissions that injury to the domestic industry has continued despite the imposition of anti dumping duties and that if anti dumping duties are removed; the impact of dumping would be much more serious as the domestic industry would be forced to match the prices offered by exporters resulting in direct losses and injury to the domestic industry have also been considered. The allegation of the domestic industry that exporters from the subject countries have also indulged in the dumping during the years prior to POI and that there is no change in the pricing behaviors of the exporters has also been considered by the Authority.

68. The Authority has also taken note of the submissions of the domestic industry seeking shelter under Annexure-II of the Anti Dumping Rules for determination of injury, where it has been pleaded that it shall involve an objective examination of volume of dumped imports and its effect, both on the domestic prices as well as the domestic producers of the subject goods. The Authority has also considered their submissions that the situation has improved from their angle after the imposition of anti dumping duties thus substantiating the fact that anti dumping duties have been effective and there has been a positive impact on the DI though the impact is claimed not to be there to the desired extent, in view of the continued injurious dumping.

69. On the volume front, the submissions made by the domestic industry that the market share of the subject countries in respect of imports has increased from 51% in the base year i.e. 2003-04 to 89% during POI, landed value of product under consideration from the subject countries is much lower than the prices the domestic industries ought to have realised on the sales of subject goods and the net sales realisation of the domestic industry, many of the petitioners are new players in the industry and hence the data for the previous year's not being available, a proper comparison of the domestic industry as a whole is not feasible and will lead to erroneous conclusion, both productivity per employee as also employment and wages have increased, profitability as well as return on investment and cash flow have improved and domestic industry is able to recover the losses and the domestic industry has not been able to realise the desirable selling price in spite of anti dumping duties being in place have all been considered by the Authority.

70. Authority has also considered the argument put forth by the domestic industry that while arriving at the opinion of likelihood of continuance or recurrence of dumping and injury, it is necessary to bear in mind the effect and influence of the anti dumping duties already in place against the subject countries and the likely future behaviour of the exporters if the duties are allowed to lapse and the Authority is also required to examine whether the trend/behavioral pattern of dumping continues to persist despite Anti dumping duties in place as also to bear in mind that since the exporter/producers in subject countries are fully aware of the proximity of impending sunset review, hence their pricing behavior is likely to be manipulated/determined and hence suspect and untrustworthy and therefore, the improvement in the various injury factors, *per se*, during the period of investigation is not directly relevant.

71. The Authority appreciates the concern of the Domestic Industry that the criterion 'likely' is also different from the actual threat of material injury (i.e. it is to be clearly foreseen and imminent) and analysis of likelihood of continuance or recurrence of injury in a sunset review investigation is that of lesser degree and on different parameters, for the reason that the circumstances in the sunset review investigations are necessarily affected by the measures in force and consequently, the various injury factors cannot be construed and interpreted in the same manner as in the original investigation and thus, in case there is any possibility of recurrence or continuance of injury to the domestic industry, the duties are required to be continued.

H.1.2. Views of the producers and Exporters

H.1.2.1.United Arab Emirates

72. The Authority has considered the submissions made by the exporters from UAE that with regard to the likelihood of recurrence or continuance of dumping and injury to the Domestic Industry after the cessation/discontinuance of anti dumping duty against the UAE, based on the import data with regards to the import of the subject goods from UAE, it is clear and apparent that the volume of exports from UAE are decreasing and export price is rising significantly every year. Authority has also considered that after the completion of the original anti dumping investigation, RAK has already established its own subsidiary company in India to produce the subject goods at its plant at Hyderabad with an installed capacity of 20,000 sq. mts. per day and the same is going to be increased to 30,000 sq.mts. Per day. Moreover, RAK is also stated to be in the process of setting up an additional production unit in Gujarat with an installed capacity of 20,000 sq. mts. per day. The submissions that considering the facts and circumstances with regard to trend of volume of exports from UAE, its export prices, capacities being installed by RAK in India, its future expansion plans in India and share of RAK in the imports of subject goods into India, there is no likelihood of recurrence or continuation of dumping from UAE and consequent injury to the Domestic Industry on account of imports from UAE and there are no surplus capacities in UAE for dumping into India, rather RAK is creating additional capacities in India and the producers/exporters of the subject goods in UAE are not facing anti dumping investigations anywhere in the world except India have also been considered by the Authority.

H.1.2.1.China PR.

73. The submissions of Producers/exporters from China PR that the claim put forth by the domestic industry that the review is supported by more than 70% of the domestic production as no information on this account has been furnished has also been considered. Their pleadings that petitioner has interchangeably used recurrence and continuation, that the rules do not require a mere opinion and not a categorical positive finding, that analysis in a sunset review is not of lesser degree or on different parameters has also been considered by the Authority. Their claim that there is no evidence that revocation of duties would lead to likelihood of continuation or recurrence of injury and that the claim of domestic industry that price behaviour of exporters during the POI for a sunset review is likely to be manipulated and suspect and untrustworthy is an unwarranted presumption as the law does not provide for any such presumptive rejection of the prices of the exporter has also been considered by the Authority. Authority has also considered their pleadings that improvement in various injury parameters is a clear indicator of whether any injury is likely to continue or likely to recur and therefore argument of recurrence is entirely frivolous and liable to be rejected and further it cannot be presumed that injury is recurring because there is continuance of dumping.

H.1.3.Examination By The Authority.

74. The Authority has taken note of and considered various arguments raised both by the Domestic Industry as well as responding exporters/producers. Authority has found that there are huge surplus capacities in China PR, which came to notice during verification of the responding exporters. In respect of one of the exporters the total sale in the domestic market and export taken together constituted on 52% of their production during POI. In respect of yet another exporter the surplus was in the vicinity of 15%. Authority has also noticed that these producers were not utilizing the total installed capacity and Foshan in China PR itself is designated as a ceramic city where volume of production is huge. The Authority therefore concludes that likelihood of recurrence of dumping and consequential injury to the domestic industry is inevitable as the withdrawal of duties will in all likelihood lead to the surplus capacities finding their way into Indian market at dumped prices and cause of injury to the domestic manufacturers in India.

75. The Authority further concludes that in view of the submissions made by UAE producers and Exporters as also supplemented by the Domestic Industry, the likelihood of dumping from UAE and consequential injury to the Domestic Industry is ruled out.

76. Annexure II of the AD Rules provides for an objective examination of both,

- (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and
- (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

77. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

78. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

H.1.4. Volume Effect

Share of Imports from subject countries (% of total imports, % of total demand and domestic production):

Source-IMPEX and response of cooperating exporters as complete data from DGCI\$S was made available for imports from China and UAE and not other sources imports into India.

79. The following table depicts that the share of imports from subject countries in total imports has increased from 51% in the year 2003-04 to 95% in the period of investigation despite the fact that there were anti-dumping duties in existence against the subject countries. It is also noted that during the POI, imports from subject countries have increased to about 22 times of the imports in the base year. It is also seen that total imports in terms of volume from

UAE during POI comprises of just 0.23% of the imports from subject countries and imports from China comprise of 99.76% whereas share of imports from China has increased from 46% in 2003-04 to 94% during POI.. Therefore Authority notes that imports volumes from amongst subject countries are primarily coming from China PR and UAE barely contributes to these imports. Authority also notes that in comparison to the total demand in India, exports from China PR have increased from 13% in 2003-04 to 37% during the period of investigation. It indicates that the imports from China have been able to capture a substantial share of demand in the domestic market despite the fact that the anti-dumping duties were in existence against the subject countries.

	April 03 to March 04	April 04 to March 05	April 05 to March 06	POI
Imports from China (SQM)	667568	4091666	8264685	14644196*
Indexed	100	613	1238	2194
Imports from UAE (SQM)	71548	50584	13994	33849
Imports from Subject Countries (SQM)	739116	4142250	8278679	14678045
Imports from other Countries	718732	728413	4407434	852169
Total Imports (SQM)	1457848	4870663	12686113	15530214
% Share of China in imports	46%	84%	65%	94%
Total Demand (SQM)	5349535	16288195	32323848	39540899
% share of Imports from China in total demand.	12.47%	25.12%	25.57%	37.04%

* As per responding exporters selling to India at un-dumped prices.

80. The Authority also notes that imports from subject countries as a percentage of domestic production have also increased from 27% in 2003-04 to 89% in period of investigation.

% Domestic Production

	April 03 to March 04	April 04 to March 05	April 05 to March 06	POI
Imports from China PR (SQM)	667568	4091666	8264685	14644196
Production DI (SQM)	2428724	6928439	12663766	16362978
% Share	27.48%	59%	65.26%	89.49%

81. The Authority notes that the imports from subject countries have increased, not only in absolute terms but have also increased in relation to total imports, total demand and domestic production. The Authority also notes that overall demand in the country has grown up from 100 (Indexed) in base year to 739 (Indexed) during the period of investigation, by huge 639% over the injury investigation period as is evident from the table given below.

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Total Demand (SQM)	5349535	16288195	32323848	39540899
Indexed	100	304	604	739

Output & Capacity Utilization:

	April 03 to March 04	April 04 to March 05	April 05 to March 06	POI
Capacity (SQM)	6287727	12969142	20382160	22286960
Production (SQM)	2428724	6928439	12663766	16362978
Capacity Utilization%	39%	53%	62%	73%

82. From the table above, the Authority notes that the domestic production as well as capacity utilization of the domestic industry has increased over the injury investigation period. The capacity utilization of the domestic industry increased from 39% in 2003-04 to 73% during the period of investigation. The Authority also takes note of the submissions of the domestic industry that after the protection in terms of imposition of anti-dumping duties against injurious dumping, there have been substantial investment and expansion in the Vitrified Tiles industry in the country. As against about five producers at the time of the original investigations, the number of producers in the country today is close to twenty. This has been confirmed by one of the responding producers and exporters from UAE who has already set up a manufacturing plant in India and is in the process of setting up another one. Therefore, the Authority takes note of these submissions and the submissions made by the Domestic Industry that the comparison of the capacity and production of the domestic industry in the base year with the capacity and production in the period of investigation in absolute numbers may not be appropriate to analyze the injury suffered by the domestic industry with respect to these factors.

83. Authority also takes note of the submission of the Domestic Industry that the unutilized capacity of the domestic industry during POI is as high as 27% despite the fact that the demand in the country has increased by 639%.

Changes in Market Share of the domestic industry:

	April 03 to March 04	April 04 to March 05	April 05 to March 06	POI
Total Demand (SQM)	5349535	16288195	32323848	39540899
Sales of DI (SQM)	***	***	***	***
Market share of DI %	***	***	***	***
Indexed	100	282	535	610
Sales Value (Rs. Lacs)	***	***	***	***

84. From the analysis on domestic sales as above, it is seen that the sales of the domestic industry in the POI as compared to base year have increased over the injury investigation period by 510% but their market share has come down in POI as compared to immediately preceding year as well as base year.

Price Effect:

Effect of dumped Imports on Domestic Prices:

	April 03 to March 04	April 04 to March 05	April 05 to March 06	POI
Landed Value from China (Rs. / SQM)	***	***	***	***
Indexed	100	88	92	84
Landed Value from UAE(Rs. / SQM)	***	***	***	***
Indexed	100	92	103	130
Landed Value from Subject Countries (Rs. / SQM)	***	***	***	***
Domestic Selling Prices (Rs. / SQM)	***	***	***	***
Indexed	100	75	66	75

85. Authority notes that the landed value from China has declined over the injury investigation period in spite of the fact that the anti-dumping duties were in existence. Indexed at 100 in the base year 2003-04, it stands at 84 during POI. On the other hand, the landed value from UAE has increased and is more than the net sales realization of the domestic industry. Indexed at 100 in the base year 2003-04, it stands at 130 during POI. The domestic selling prices have come down from 100 indexed in the base year 2003-04 to 75 during POI. It indicates that the domestic prices have been depressed. The Authority concludes that this is yet another indicator that, although, likelihood parameter is evident in case of China PR, no such eventuality of exports at dumped prices from UAE in future is evident.

Price Underselling and Price undercutting:

Price Undercutting			
	Subject Countries	China	UAE
Domestic Selling Prices Rs. / SQM	***	***	***
Landed Value from Subject Countries Rs. / SQM	***	***	***
Price Undercutting (Rs./SQM)	***	***	***
Price Undercutting (%)	50.13%	50.9%	(-84.73%)

86. The authority has made the price undercutting analysis by comparing the weighted average net sales realization with the weighted average landed value for the subject countries and China PR separately. The landed value for the subject countries is derived by adding landing charges and basic custom duty into the CIF prices. From the above analysis the Authority concludes that there is significant price undercutting from China, on the contrary there is a negative undercutting from UAE. The Authority concludes that the domestic prices have had an impact due to imports from China and imports from UAE have not undercut the prices of the domestic industry.

87. The Authority also concludes that price underselling from China is also significant and the exports from China are being made at such prices that removal of anti-dumping duties is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry as is evident from the following table:

Price Underselling			
	Subject Countries	China	UAE
Desirable Selling Prices/ NIP Rs. / SQM	***	***	***
Landed Value from Subject Countries Rs. / SQM	***	***	***
Price Underselling (Rs./SQM)	***	***	***
Price Underselling (%)	65-75%	65-75%	(-54%)

Profitability, Return on Investment and Cash Flow:

88. The Authority notes that profitability as well as cash flow and return on investment have declined over the injury investigation period, possibly due to the presence of dumped imports causing injury to the domestic industry as noted from the following tables:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Profit/Loss (Rs./SQM)	***	***	***	***
Profit/Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
% Profit/Loss On Sales	17.33%	-2.67%	1.08%	8.39%

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Profit/Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Add Depreciation	***	***	***	***

Cash Profit (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Cash Profit as % of Sales	21.71%	3.11%	4.91%	12.08%

Return On Capital Employed:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Profit/Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Add Interest (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Profit Before Interest (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Capital Employed (Rs. Lacs)	***	***	***	***
ROCE (%)	***	***	***	***
Index	100	30	47	83

89. Authority also notes that profitability of the domestic industry has significantly improved during POI over preceding two years but the same is still lower than the base year of the injury period. Similar trends are reflected in the cash profit and return on capital employed of the domestic industry.

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Production(SQM)	2428724	6928439	12663766	16362978
Employees	***	***	***	***
Production (SQM / Employee)	***	***	***	***

90. The productivity per employee during the period of investigation has increased as compared to the base year as per following table. Thus, the Authority concludes that decline in productivity is not a cause of injury to the domestic industry because productivity has improved progressively during injury period.

Employment and Wages:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
No of Employees	***	***	***	***
Wages Total (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Wages /Employee (Rs.)	***	***	***	***

91. The Authority notes that the number of employees engaged by the domestic industry has increased over the injury investigation period, the wages paid to them have also increased over the same period and concludes that increase in total wages cost has been neutralized to a large

extent by higher labour productivity as increase in per employee wage-bill during POI is less than 6% over 2003-04.

Magnitude of Margin of Dumping:

92. The Authority notes that dumping margin from China is significant and concludes that significant dumping margin gives an indication about likely future behaviour that dumping would continue from China and the domestic industry would be injured.

Growth:

93. The Authority notes that market share of the domestic industry over the injury investigation period has declined as compared to immediately previous two years whereas the increase in the total demand is as high as 472%. The growth with respect to profitability of the domestic industry is also negative. The Authority concludes that the domestic industry has been prevented from achieving a reasonable growth in the increasing demand, and to increase its profit, due to the presence of dumped imports. The Authority further concludes that in view of the increasing imports, declining landed values, significant dumping margins, price undercutting and price underselling the dumping from China would further increase and injure the domestic industry severely in case the duties are discontinued.

Inventories:

94. The Authority notes that the closing stock as well as the average stocks has increased over the injury investigation period causing injury to the domestic industry.

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Closing Stock (SQM)	***	***	***	***
Indexed	100	276	452	458
Average Stock	***	***	***	***
Indexed	100	245	471	627

Ability to Raise Capital Investments:

95. It has been stated by the domestic industry that the composition of the domestic industry has undergone a change. It is also stated that the new capacities are also in pipeline for the subject goods by some of the domestic producers. Those apart, UAE producers have also set up new manufacturing plants and some more are in the pipeline. The Authority, therefore, concludes that the ability of the domestic industry to raise capital investment is not affected.

95.1. In their post disclosure submissions a number of interested parties have claimed, based on performance of the domestic industry over the injury period in respect of various injury parameters that the domestic industry has not suffered continued injury, nor there is any evidence that the domestic industry is likely to suffer injury in the event of revocation of anti dumping duties.

95.2. The Authority holds that the performance of the domestic industry during the current injury period was such that it could not be concluded that the domestic industry has not suffered continued injury and injury to the domestic industry is unlikely to continue or intensify in the event of revocation of anti dumping duties. The Authority holds that the following evidence on record clearly establishes that the injury to the domestic industry is likely in the event of revocation of anti dumping duties –

- i. As per claims of one of the responding exporters, there are scores of vitrified tiles plant in China.
- ii. Information provided by the two responding exporters itself showed as follows
 - a. production during the POI ***SQ.M
 - b. domestic sales and export sales *** SQ.M
 - c. surplus *** SQ.M

95.3 Interactions with the Chinese exporters during the course of spot verification showed that the Govt. of China is promoting tiles industry in a big way. Foshan city has become synonym with "Tiles City". Thrust of most of the plants is onto exports.

95.4 The Authority compared the landed price of imports from China with the cost structures of the domestic industry. The results are as follows –

- i. Landed price of imports from China ***
- ii. Direct cost for Indian Producers ***
- iii. Full cost of production for Indian Producers ***

95.5. The Authority notes that should the domestic industry be forced to sell the goods at prices matching with the landed price of imports. the same implies that the constituents of the domestic industry would not even recover even costs directly associated with production and sale of the subject goods. Thus, revocation of anti dumping duties shall lead to significant financial losses for the domestic industry. This would further adversely impact return on investments and cash flow situation of the domestic industry. Further, in a situation where the domestic industry is forced to sell the product at prices below direct costs associated with production and sale of the subject goods. it is evident that the domestic industry would loose sales volumes. Loss of sales volumes in short run would adversely impact the profitability, as the incidence of overhead costs would increase on the volumes produced for sale. Thus, in the immediately foreseeable future, the domestic industry would be in a situation where its sales and consequently production & capacity utilization would suffer heavily. Further, this would adversely impact the profits, return on capital employed and cash flow. The domestic industry is therefore clearly likely to suffer injury in the event of revocation of anti dumping duties.

95.6. Authority notes that the data on imports as per responding exporters who have been exporting to India at un dumped prices is far more in terms of volume than the volume of imports reflected in various data sources i.e.EXIM and DGCI&S. The Authority therefore concludes that the injury analysis, primarily done in respect of Un-dumped imports is in order in a likelihood scenario because the dumped imports will, in all likelihood come to India, at least at the same price at which the un-dumped imports are coming and therefore injury analysis with reference to un dumped imports is a fair comparison for arriving at the injury to the domestic industry.

I. Causal link

96. The Authority notes that production capacities with the Chinese producers are far in excess of existing demand in China. Even if exports to other countries are accounted for, the existing capacities are far in excess of current demand. In fact, even responding exporters have been operating much below installed capacities. It is thus evident that the Chinese producers are faced with sufficient freely disposal production capacities for the product under consideration. On volume account, therefore, there is clearly likelihood of significant increase in import volumes with the revocation of present anti dumping duties. As regards prices, the Authority notes that the product is sold at widely varying prices. Even same type of tiles has been sold at significantly varying prices. Further, the export price from China is so low that the landed price of imports would be significantly below the selling price of the domestic industry and non injurious price determined for the domestic industry. Revocation of anti dumping duties would therefore lead to significant price undercutting by the dumped imports. Given existence of significant price undercutting and significant freely disposal production capacities with the Chinese producers, it is evident that the market would witness significant increase in the dumped imports. Since the profitability of the domestic industry is already not very good and further since direct costs forms a very high proportion in the total cost of production, it is evident that any significant price pressure on domestic industry would lead to a situation where the domestic industry would not be able to recover even direct costs associated with the production and sale of the product under consideration. In fact, the landed price of imports in the event of revocation of anti dumping duties would be below the direct costs associated with production and sale of the product concerned. Should the domestic industry sell at prices matching with the landed price of imports, it is evident that the domestic industry would not recover even the direct costs associated with production and sale of the product concerned. Injury to the domestic industry is therefore inevitable in the event of revocation of anti dumping duties.

97. As stated above the Authority holds that the revocation of anti dumping duty shall lead to continuance of dumping and / or injury.

J. FINAL FINDINGS:

98. Having regard to the issues raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. There is no dumping taking place from UAE. As has been admitted by the domestic industry in their submissions, the prices of the subject goods manufactured and exported to India are very high and are not a cause of injury to the domestic industry.
- ii. The majority of Exports from China PR are from amongst the ones who do not sell the subject goods in India at dumped prices. Even these un dumped exports have been a cause of recession for the domestic industry. Therefore considering withdrawal of duty already in place is, in all probability going to result in huge quantities of subject goods finding their way into India at dumped prices.
- iii. The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices from China PR, should the present measures be withdrawn. Thus, it has not been established that the continued imposition of the duty to offset dumping is unnecessary,

iv. In spite of the antidumping measures in place, there exists significant current injury to the domestic industry. There is also no evidence on record to suggest that dumping or the injury to the domestic industry would cease to exist or is not likely to recur in case the anti-dumping duties are discontinued. On the contrary huge surplus capacities in China are most likely to find their way into India at dumped prices.

99. Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be fragile and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from China PR if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is necessary against import from China PR. However, in view of the current level of dumping from subject countries and injury suffered by the domestic industry the anti dumping duty in force needs to be revised. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends continuation of anti dumping duty on imports of subject goods from subject countries equal to lower of Dumping / Injury Margins, whichever are lower

100. Accordingly, the Authority recommends that definitive anti dumping duty as set out in the table below be imposed on imports of subject goods originating in or exported from subject countries. The duty is recommended to be imposed, denominated in Indian Rupees, as per table detailed below:

K. Duty Table

Sl. No	Heading/ Sub- heading/Tari- ff item	Description	Specifi- cation	Country of origin	Country Of export	Producer	Exporter	Duty Amount (INR)	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	69.07 Or 69.08 Or 69.14	Vitrified / Porcelain Tiles as described in Para 6 & 7 of this notification	Any	China PR	UAE	Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd	Prestige General Trading, Dubai	NIL	Square Meter
2.	DO	DO	ANY	China PR	ANY	Foshan Chanchang Oulian Construction Ceramics Co. Ltd	Any Other Than the exporter in row 8 of Sl. No.1 above	155	Square Meter
3.	DO	DO	ANY	China PR	China PR	Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd ,	Foshan Lungo Ceramics Co. Ltd.	NIL	Square Meter
4.	DO	DO	ANY	China PR	UAE	Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd	Enterprise Trading FZE, UAE	NIL	Square Meter

5.	DO	DO	ANY	China PR	ANY	Heyuan Wanfeng Ceramic Co. Ltd	Any Other Than the exporter in row 8 of Sl. No.3 and 4 above	155	Square Meter
6.	DO	DO	ANY	China PR	China PR	M/s Southern Building Materials and Sanitary Ware Co. Ltd of Qinguyan City	New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co. Ltd of Guangdong	NIL	Square Meter
7.	DO	DO	ANY	China PR	ANY	M/s Southern Building Materials and Sanitary Ware Co. Ltd of Qinguyan City	Any Other Than the exporter in row 8 of Sl. No.6 above	155	Square Meter
8.	DO	DO	ANY	China PR	China PR	M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. limited comprising of M/S Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/S Foshan Summit Ceramic Company Limited	M/S Foshan Newpearl Trade Co. Ltd.	NIL	Square Meter
9.	DO	DO	ANY	China PR	ANY	M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. limited comprising of M/S Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/S Foshan Summit Ceramic Company Limited	Any Other Than the exporter in row 8 of Sl. No.8 above	155	Square Meter
10	DO	DO	ANY	China PR	China PR	M/S Foshan Chan Cheng Jin Yi Ceramic Co. Ltd.	M/S Foshan Joyson Ceramic Material Company Ltd.,	NIL	Square Meter
11.	DO	DO	ANY	China PR	MALA YSIA	M/S Foshan Chan Cheng Jin Yi Ceramic Co. Ltd.	M/S Able Ace (M) Sdn. Bhd. Malaysia,	NIL	Square Meter
12	DO	DO	ANY	China PR	ANY	M/S Foshan Chan Cheng Jin Yi Ceramic Co. Ltd.	Any Other Than the exporter in row 8 of Sl. No.10 and 11 above	155	Square Meter
13	DO	DO	ANY	China PR	ANY	ANY Other	ANY	155	Square Meter

101. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority